प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 19 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | रविवार, 29 जून 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

बिहार में शुरू हुआ विशेष गहन पुनरीक्षण

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आरंभ कर दी है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक मतदाता की पात्रता की पुष्टि करना है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाया जा सके। आयोग ने बताया कि यह कार्य संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुरूप हो रहा है, जो मतदान के लिए पात्रता की शर्तें निर्धारित करता है। आयोग की ओर से शनिवार को जारी जानकारी में बताया गया कि बिहार के सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं। इन फॉर्म को ऑनलाइन भरने की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया को सरल और तकनीक-सक्षम बनाया गया है। बिहार में वर्तमान में कुल 7,89,69,844 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से करीब 4.96 करोड़ निर्वाचकों के नाम पहले से ही 1 जनवरी 2003 की आधार तारीख पर नामावली में हैं। इन्हें बस अपने विवरण की पुष्टि करके फॉर्म भरना और जमा करना है। निर्वाचन आयोग ने इस प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 77,895 बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की है, जबकि नए मतदान केंद्रों के लिए 20,603 अतिरिक्त बीएलओ नियुक्त किए जा रहे हैं। साथ ही, एक लाख से अधिक वॉलंटियर्स, विशेष रूप से वृद्ध, दिव्यांग, बीमार और अन्य कमजोर वर्गों की सहायता के लिए लगाए गए हैं। राजनीतिक दलों की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। आयोग के अनुसार, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों ने अब तक 1,54,977 बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं और और अधिक एजेंटों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के तहत बिहार के 5.74 करोड़ पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजे जा रहे हैं, जिससे मतदाताओं को समय रहते जानकारी दी जा सके। सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बीएलओ को पूर्णकालिक रूप से पुनरीक्षण कार्य में लगाएं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियां निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सुचारू रूप से चल रही हैं।

अधिकारों की रक्षा के लिए अदालतों की सक्रियता जरूरी: गवई

लेकिन यह ज्यूडिशियल टेररिज्म न बने; माता-पिता का संघर्ष याद कर भावुक हुए जस्टिस गवई

नागपुर/लोक प्रेरणा

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि संविधान और नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए न्यायिक सक्रियता जरूरी है। यह बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदला जा सकता। चीफ जस्टिस ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को उनकी सीमाएं दी गई हैं। तीनों को कानून के अनुसार काम करना होगा। जब संसद कानून या नियम से परे जाती है, तो न्यायपालिका हस्तक्षेप कर सकती है। चीफ जस्टिस गवई नागपुर जिला कोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कुछ किस्से साझा किए। अपने माता-पिता के संघर्षों के बारे में बताया। अपने जीवन पर माता-पिता के प्रभाव के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

पिता भी बनना चाहते थे वकील

चीफ जस्टिस ने कहा, "मैं आर्किटेक्ट बनना चाहता था, लेकिन मेरे पिता ने मेरे लिए अलग सपने देखे थे। वह हमेशा चाहते थे कि मैं वकील बनूं, एक ऐसा सपना जो वह खुद पूरा नहीं कर सके। मेरे पिता ने खुद को अंबेडकर की सेवा में समर्पित कर दिया। वह खुद एक वकील बनना चाहते थे, लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा होने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, इसलिए वह अपनी इच्छा पूरी नहीं कर सके।" जस्टिस गवई ने बताया कि वे संयुक्त परिवार में रहते थे, जिसमें कई बच्चे थे और सारी जिम्मेदारी उनकी मां और चाची पर थी। इसलिए अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने आर्किटेक्ट बनने के अपने सपने को छोड़ दिया।

क्या है न्यायिक सक्रियता और न्यायिक आतंकवाद

न्यायिक सक्रियता या ज्यूडिशियल एक्टिविज्म : न्यायिक सक्रियता का मतलब होता है, जब अदालतें खास तौर पर हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट अपने पारंपरिक दायरे से आगे बढ़कर ऐसे मामलों में हस्तक्षेप करती हैं जहां कार्यपालिका यानी सरकार और विधायिका यानी संसद/विधानसभा निष्क्रिय या विफल रही हो। यानी जब अदालतें खुद पहल करके किसी मुद्दे पर फैसला देती हैं, या सरकार को दिशा-निर्देश देती हैं, जिससे आम जनता के अधिकारों की रक्षा हो उसे ज्यूडिशियल एक्टिविज्म कहते हैं।

न्यायिक आतंकवाद या ज्यूडिशियल टेररिज्म : यह कोई कानूनी शब्द नहीं है, और इसका इस्तेमाल करना न्यायपालिका का अपमान माना जाता है। जब कोई पक्ष मानता है कि अदालत निष्पक्ष नहीं है। या अदालत बार-बार ऐसे आदेश देती हो जो किसी खास राजनीतिक विचारधारा या समूह के खिलाफ लगते हैं। जब अदालत या न्यायिक संस्थान अपने निर्णयों या दखल से किसी पक्ष को ऐसा महसूस कराए कि उन्हें डराया, धमकाया या दबाया जा रहा है, तो कुछ लोग आलोचना में इस स्थिति को ज्यूडिशियल टेररिज्म कहा जाता है। जब मेरे नाम की सिफारिश

मणिपुर में नई सरकार की तैयारी

बीरेन सिंह बोले- विधायकों के साथ चल रहीं बैठकें

इंफाल/लोक प्रेरणा

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में एक बार फिर से लोकप्रिय सरकार बनाने की कोशिशें चल रही हैं। इस समय मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य कार्यालय में एक कार्यक्रम से इतर बीरेन सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राज्य में जल्द ही एक नई सरकार बनेगी। बीरेन सिंह ने कहा, हम जल्द से जल्द सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। जमीनी स्थिति को देखने के बाद मुझे पूरा भरोसा है कि सरकार जल्द बनेगी। भाजपा और उसके सहयोगी भी एक लोकप्रिय सरकार चाहते हैं। हम लोकप्रिय सरकार की वापसी के लिए काम कर रहे हैं।

'विधायकों के साथ चल रही नियमित बैठकें'

उन्होंने आगे कहा, हमने (भाजपा) किसी की आलोचना नहीं की है। हम केवल मौजूदा संकट पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से बातचीत जारी है, ताकि राज्य में शांतिपूर्ण हल निकाला जा सके। उन्होंने कहा, हम विधायकों की नियमित बैठकें कर रहे हैं, ताकि सरकार की बहाली की दिशा में कदम उठाए जा सकें। सभी लोग शांति की बहाली चाहते हैं। शांति बहुत जरूरी है। पिछले सात-आठ महीनों में समुदायों के बीच कोई बड़ी झड़प नहीं हुई है।

'शांति बहाली में जुटी केंद्र सरकार'

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार दिन-रात मेहनत कर रही है, ताकि मणिपुर में शांति बहाल की जा सके।

'अवैध घुसपैठ और नशे का खतरा'

मीडिया के एक सवाल के जवाब में बीरेन सिंह ने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि अवैध घुसपैठिए और ड्रग माफिया पूरे पूर्वोत्तर और देश को प्रभावित कर रहे हैं। अब धीरे-धीरे सभी लोग इस समस्या को समझने लगे हैं। यह बदलाव एक सकारात्मक संकेत है। हम सब मिलकर इन खतरों से लड़ सकते हैं।

राष्ट्रपति शासन और मौजूदा हालात

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया था, जब मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया था। मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन उसे अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। जिसमें अब तक 260 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने की कोशिश हो रही: टीएमसी

कोलकाता/लोक प्रेरणा

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण की आड़ में पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करने की भयावह कोशिश की जा रही है। चुनाव आयोग के अभियान की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की पार्टियां इस मुद्दे को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह उठाएंगी।

टीएमसी ने टाइमिंग पर उठाए सवाल चुनाव आयोग ने बीते सोमवार को दिशा निर्देश जारी किए, जिनके तहत बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण करने और अयोग्य नामों को हटाया जाना है। निर्देशों के तहत सिर्फ योग्य और वैध मतदाताओं के नाम ही मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। हालांकि विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग यह पूरी कवायद कर रहा है। इससे पहले बिहार में मतदाता सूची में संशोधन अंतिम बार साल 2003 में किए गए थे। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने सवाल उठाया कि 'अब अचानक से मतदाता सूची की जांच क्यों की जा रही है?

हिमाचल: 500 पशु मित्रों की भर्ती, मानदेय बढ़ा, पंचायतों में आपदा यूनिट की मंजूरी

शिमला/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में राज्यहित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने पशुपालन विभाग में 500 पशु मित्रों के पदों को भरने की मंजूरी दी है। इन्हें पांच हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग के मल्टी टास्क वर्करों के मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी कर उसे 5000 से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रतिमाह करने को स्वीकृति दी गई। इससे लगभग पांच हजार कर्मचारी लाभान्वित होंगे। इसके अतिरिक्त मंत्रिमंडल ने प्रदेश की सभी 3645 पंचायतों में आपदा की स्थिति में त्वरित राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए पंचायत आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित करने की भी मंजूरी प्रदान की है। बैठक में पे मैट्रिक्स लेवल-11 के पदों को ग्रुप-बी से ग्रुप-सी में पुनर्वर्गीकृत करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे अब केवल हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी ही इन पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में ये पद ग्रुप-बी में आते थे और भर्ती हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती थी, जबकि अब इन्हें ग्रुप-सी श्रेणी में रखते हुए भर्ती हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग द्वारा की जाएगी। कैबिनेट ने दुग्ध उत्पादकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से दूध प्रोत्साहन योजना शुरू करने को भी स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत गैर-सरकारी डेयरी सहकारी समितियों को दूध आपूर्ति करने वाले किसानों को प्रति लीटर तीन रुपये की सब्सिडी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने पर्यटन गतिविधियों को विकेंद्रीकृत करने और शिमला शहर पर बोझ कम करने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का मुख्यालय शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने को भी मंजूरी दी है।

केरल के स्कूलों में जुम्बा क्लास, मुस्लिम संगठन का विरोध

तिरुवनंतपुरम/लोक प्रेरणा

केरल के स्कूलों में इस साल से जुम्बा क्लास शुरू की जाएंगी। कुछ स्कूलों में ये क्लास शुरू भी हो गई है। केरल शिक्षा विभाग ने नशा विरोधी अभियान के तहत स्कूलों में फिटनेस कार्यक्रम शुरू किया है। इसी के तहत कई स्कूलों ने जुम्बा ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। मुस्लिम संगठनों ने जुम्बा डांस का विरोध किया है। इन संगठनों ने लड़के-लड़कियों के एक दूसरे के साथ घुलने-मिलने और कम कपड़े पहनकर साथ में डांस करने पर ऐतराज जताया है। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह अश्लीलता को बढ़ावा देने जैसा है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। विजडम इस्लामिक संगठन के महासचिव टीके अशरफ ने कहा- मेरा बेटा इस सेशन में भाग नहीं लेगा। शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने कहा कि ऐसी सोच समाज में नशीली दवाओं से भी ज्यादा घातक जहर घोल देंगी।

मुस्लिम नेता बोले- फिटनेस के नाम पर अश्लीलता ना थोपें

एक मुस्लिम संगठन समस्ता के नेता नसर फैजी कूदाथाई ने इस कदम को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन और शारीरिक फिटनेस के नाम पर अश्लीलता थोपना बताया। उन्होंने कहा- जुम्बा में कम से कम कपड़े पहनकर साथ में डांस किया जाता है। अगर सरकार ने बड़े बच्चों को भी ऐसा करने का निर्देश दिया है, तो यह आपत्तिजनक है। नसर फैजी ने कहा, मौजूदा फिजिकल ट्रेनिंग को बेहतर बनाने के बजाय, हमें अश्लीलता करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह उन छात्रों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है, जिनके नैतिक मूल्य भी डांस करने की अनुमति नहीं देते हैं।

बोले- ये अश्लीलता; शिक्षा मंत्री ने कहा- ऐसी सोच ड्रग्स से ज्यादा जहरीली

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे फिर बंद

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

मौसम विभाग ने देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है। राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई। महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

कोलकाता गैंगरेप केस- मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि

कोलकाता

कोलकाता के लॉ कालेज में गैंगरेप की पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हो गई है। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। कस्बा पुलिस के अधिकारी के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है। गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 1 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने 26 जून को 2 आरोपियों और तीसरे आरोपी को शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं लॉ कॉलेज के गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) को भी शनिवार को अरेस्ट कर लिया गया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने घटना को लेकर विवादित बयान दिया।

हिमाचल में मानसून की मार, एक हफ्ते में 31 की मौत, करोड़ों की संपत्ति नष्ट

शिमला/लोक प्रेरणा

हिमाचल प्रदेश में मानसून की दस्तक इस बार तबाही लेकर आई है। 20 जून को शुरू हुए मानसूनी सीजन ने पहले ही सप्ताह में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और सड़क दुर्घटनाओं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बीते एक सप्ताह में वर्षा जनित विभिन्न हादसों में अब तक 31 लोगों की जान जा चुकी है जबकि 66 लोग घायल हुए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 20 से 27 जून के बीच सबसे अधिक 17 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। इसके अलावा फ्लैश फ्लड में 5 लोग मारे गए हैं, पानी के तेज बहाव में बहने से 4, पहाड़ी से फिसलने से 2, करंट लगने और सांप के काटने से एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

अन्य एक व्यक्ति की जान अन्य कारणों से गई है। सबसे ज्यादा मौतें कांगड़ा जिले से सामने आई हैं जहां 10 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मानसून की शुरूआत से ही राज्य में आपदा जैसे हालात बन गए हैं। अब तक 37 मवेशियों की मौत हो चुकी है और 4 लोग लापता बताए जा रहे हैं। छह घर पूरी तरह से ढह गए हैं जबकि आठ मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है। साथ ही सात दुकानें, आठ पशुशालाएं और एक घराट भी मलबे में तब्दील हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार केवल एक सप्ताह में राज्य को करीब 29.16 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को भी बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने आगामी 3 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। विशेष रूप से 29 जून को भारी वर्षा की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। सोलन और सिरमौर जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने लोगों से नदियों और नालों के समीप न जाने और सतर्कता बरतने की अपील की है।

राज्य भर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 53 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई हैं। बिजली और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। 135 ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं बंद हो चुकी हैं। कुल्लू जिला सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक है जहां 23 सड़कें बंद पाई गई हैं। निरमंड और आनी उपमंडलों में बिजली और जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

यहां 74 ट्रांसफार्मर और 118 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। मंडी जिले में 16 सड़कें बंद हैं और 59 ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे।

लाहौल-स्पीति में एक सड़क और एक ट्रांसफार्मर बंद हुआ है। किन्नौर जिले में 33 जल योजनाएं प्रभावित हैं। चंबा में तीन जल योजनाएं बंद पाई गई हैं जबकि तीसा उपमंडल में एक ट्रांसफार्मर निष्क्रिय हो गया है।

शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में दो जल योजनाएं प्रभावित हुई हैं वहीं सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र में तीन सड़कें बंद हैं। इस बीच शासन मानसूनी कहर से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर है।

पहले हुआ टीबी गर्भधारण में समस्या पैदा कर सकता हैं? - विशेषज्ञ

लोक प्रेरणा

गुडगाँव। डॉ. रश्मि अग्रवाल, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी, गुरगाव, टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) की बिमारी का इलाज संभव हैं लेकिन समय रहते इलाज किया जाए तो मरीज जल्दी ठीक हो सकता हैं। खासकर जननांग या पेल्विक टीबी के कारण आगे चलकर प्रजनन क्षमता पर बुरा असर पड सकता हैं। इसलिए जरूरी है कि टीबी का सही समय पर इलाज हो और फर्टिलिटी (उर्वरता) का भी ध्यान रखा जाए।

टीबी क्या है और यह कैसे फैलता है?

टीबी एक संक्रामक रोग है, जो ट८ड्ढ्रंश्री१४ ३ध्री१४द्ब्रड्ड२२ नामक बैक्टीरिया से होता है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से हवा के माध्यम से फैलता है। इसके सामान्य लक्षणों में लगातार खांसी, वजन घटना, बुखार, रात को पसीना आना और थकान शामिल हैं। कुछ मामलों में टीबी के कोई लक्षण दिखाई नही देते हैं। टीबी आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है, लेकिन यह शरीर के दूसरे हिस्सों जैसे कि महिलाओं की फैलोपियन ट्यूब्स, गर्भाशय, और पुरुषों के अंडकोष को भी नुकसान पहुंचा सकती है। इससे महिला और पुरुष दोनों को गर्भधारण में दिक्कत हो सकती है। कई बार टीबी के इलाज के बाद भी शरीर में जो निशान रह जाते हैं, वे गर्भधारण में अड़चन बन सकते हैं।

टीबी और बांझपन का संबंध

जब टीबी महिलाओं के प्रजनन अंगों को प्रभावित करती है, तो इसे पेल्विक या जननांग टीबी कहा जाता है। यह फैलोपियन ट्यूब्स, गर्भाशय की परत (एंडोमेट्रियम) और अंडाशय को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे अंडाणु का ठीक से चलना या गर्भ में टिकना मुश्किल हो सकता है और गर्भधारण नहीं हो पाता। पुरुषों में यह बीमारी अंडकोष या प्रोस्टेट को प्रभावित कर सकती है, जिससे शुक्राणुओं की संख्या कम हो सकती है या उनके रास्ते में रुकावट आ सकती है। भले ही टीबी का इलाज पहले हो चुका हो, लेकिन अंगों को हुआ नुकसान बना रह सकता है और गर्भधारण में परेशानी आ सकती है।

टीबी से संबंधित बांझपन से बचाव कैसे करें?

अगर पहले टीबी हो चुकी है, खासकर पेट या पेल्विक हिस्से में, और गर्भधारण में दिक्कत हो रही है, तो फर्टिलिटी विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

समय पर जांच और पूरा इलाज जरूरी है।

अगर टीबी से प्रजनन अंगों को नुकसान हुआ है, तो आईवीएफ जैसे उपचार आपकी मदद कर सकते हैं।

आईवीएफ यानी टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक के जरिए शरीर के बाहर अंडाणु और शुक्राणु मिलाए जाते हैं और तैयार भ्रूण को सीधे गर्भ में डाला जाता है। इससे फैलोपियन ट्यूब्स या गर्भाशय की परत में हुए नुकसान को बायपास किया जा सकता है।

टीबी के कारण गर्भधारण में परेशानी हो सकती है, लेकिन आज के मेडिकल विकल्पों से मां-बाप बनने का सपना पूरा हो सकता है। समय पर डॉक्टर से मिलें और सही इलाज लें।

राधास्वामी सत्संग गृह से ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी, मामला दर्ज

लोक प्रेरणा

सतनाली। कस्बे के नावां रोड पर राधास्वामी सत्संग गृह में अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए हजारों का सामान चोरी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में

रोशन लाल पुत्र कुरडाराम गांव बडराई जिला चरखी दादरी ने बताया कि वह सतनाली मे नए बस अड्डे के पास स्थाई (रिहायशी मकान) बना कर रहा रहा है। वह तथा उसका परिवार सतनाली स्थित राधास्वामी सत्संग गृह का संचालन व रख रखाव बिना किसी परिश्रमिक के करते है। गत 26 मार्च की कैलास सेवादार जो सत्संग गृह में चौकीदार के रुप में रहता था वह डेरा ब्यास गया हुआ था तथा कृष्ण शाम 8 बजे लाईटे जला कर आया था। दिनांक 27 जून को सुबह 6 बजे वह लाईटे बंद करने के लिए गया तो वहां एक मकान का ताला टूटा हुआ पाया गया व सामान बिखरा पडा था। इसकी सूचना कृष्ण कुमार ने उसे फोन पर दी जिसके बाद वह तथा उसकी पत्नी प्रमिला देवी मौके पर पहुंचे। इस दौरान वहां लगी पानी के लिए लगी बिजली की मोटर, एक सिलिंग फैन व यूएसबी प्लेयर जो भजन कीर्तन की साऊंड बजाने के काम में लिया जाता था वह गायब मिले। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांचबकी तथा शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

बेबी शेखावत जिला कष्ट निवारण समिति की सदस्य नियुक्त

लोक प्रेरणा

सतनाली। गत दिवस सरकार द्वारा जारी की गई जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्यों की सूची में सतनाली भाजपा मंडल अध्यक्ष बेबी शेखावत को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है तथा उन्हें जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के लिए बेबी शेखावत ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, महेन्द्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है तथा कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वे उसका बखूबी निर्वहन करेंगी तथा आमजन की समस्याओं की पैरवी करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक वर्ग की भलाई के लिए कार्य कर रही है तथा आमजन की छोटी से छोटी समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत है। जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति में आने वाली समस्याओं के उचित समाधान के लिए वे प्रयासरत रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाते हुए आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सरकार तक पहुंचाकर उनका समाधान करवाने का प्रयास करेगी। उनकी नियुक्ति पर सतनाली इलाके के भाजपा कार्यकताओं ने भी खुशी जताई है तथा बेबी शेखावत को बधाई दी है।

देवशयनी एकादशी से थम जाएगा विवाह शादियों का दौर, वैवाहिक सीजन का अंतिम मुहूर्त 4 जुलाई को

लोक प्रेरणा

सतनाली। देवशयनी एकादशी यानि 6 जुलाई के बाद देव निद्रा व विश्राम की अवस्था में चले जाएंगे जिसके बाद विवाह शादियों सहित शुभ कार्यो पर नवंबर में देवउठनी एकादशी तक रोक लग जाएगी। ऐसे में इस सीजन का आखिरी सावा चार जुलाई को आषाढ़ माह की भडल्या नवमी का रहेगा। इस दिन जिले में सैकड़ों शादियां होंगी। शादी को लेकर कपड़े, गहनों, वाहनों व बिजली के उपकरणों सहित शादी के सामानों की जमकर खरीदारी हो रही है। आखिरी सावे के लिए बैंड, डीजे, घोड़ी, वाहन, हलवाई, फोटोग्राफर आदि बुक हो चुके। इसके बाद करीब चार माह शादियां नहीं होगी। फिर नवंबर में देवउठनी एकादशी से शहनाई गूंजेगी। पंडित दिनेश मिश्रा ने बताया कि भडल्या नवमी तिथि को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि जिन लोगों का विवाह का मुहूर्त नहीं निकलता, उनका विवाह इस तिथि में किया जा सकता है। देवशयनी एकादशी को भगवान विष्णु क्षीर सागर में योग मुद्रा में चले जाते हैं। देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है, उसके बाद चार महीनों के लिए सभी शुभ कार्य रुक जाते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिन खरीदारी और नए कार्य की शुरूआत करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और घर में सुख शांति और समृद्धि का आगमन होता है। मिश्रा ने बताया कि आखा तीज की तरह भडल्या नवमी भी स्वयं सिद्ध मुहूर्त है। इस बार यह शुक्रवार के दिन है, ऐसे में यह और विशेष हो गई है। इस बार भडल्या नवमी को शिव योग व रवि योग रहेगा। इस तिथि को शास्त्रों में अबूझ और स्वयं सिद्ध मुहूर्त की संज्ञा दी गई है।

रास और रवि ने एक भावनाओं भरा गीत फॉरएवर माइन रिलीज किया

जो सच्चे प्यार की गहराई और शुद्धता को महसूस कराता है

लोक प्रेरणा

हिसार। मशहूर पंजाबी म्यूजिक प्रोड्यूसर रास और उभरते हुए आर्टिस्ट रवि ने मिलकर अपना नया गाना ह्लफॉरएवर माइनह्व लॉन्च किया है। यह एक भावनाओं भरा गीत है जो सच्चे प्यार की गहराई को दिखाता है। ह्लफॉरएवर माइनह्व एक ऐसा सफर है जिसमें टिमटिमाते तारों वाला आसमान है, शांत बातचीत है और ऐसा खास रिश्ता होता है, जो साधारण पलों को भी जादुई बना देता है। इस गाने में भावनाएं बसी हैं और इसकी धुनें भी बहुत प्यारी और सपनों जैसी हैं। यह प्यार को एक शांत और कोमल वादा मानता है, जो समय के साथ और भी मजबूत होता जाता है।

प्रेम ढिल्लों, एकम सुधार और सरदार खेहरा के लिए हिट गाने बनाने वाले रास अब अपने नए गाने ह्लफॉरएवर माइनह्व के साथ एक नए और खास सफर की शुरूआत कर रहे हैं, जहां वो पहली बार अपने खुद के म्यूजिक के जरिए सामने आ रहे हैं। वहीं रवि के लिए यह गाना उनका एक और अहम कदम है, जिसमें वह एक ऐसे म्यूजिक कंपोजर और लिरिसिस्ट बनकर उभर रहे हैं, जो दिल से धुनें बनाते हैं और ऐसे बोल लिखते हैं, जो गाना खत्म होने के बाद भी हमेशा के लिए याद रह जाएं।

रास और रवि दोनों का जन्म और पालन-पोषण पंजाब में हुआ, जहां से उनके संगीत की शुरूआत हुई। अब ये दोनों कलाकार कैनेडा में रहते हैं और अपने हर गाने में पंजाबी संस्कृति की गहराई के साथ-साथ दुनिया भर के म्यूजिक का नया अंदाज भी लेकर आते हैं। ह्लफॉरएवर माइनह्व सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक ठोस संदेश है।

दो ऐसे कलाकारों का जो अपनी संस्कृति को गर्व से आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही इंटरनेशनल म्यूजिक वर्ल्ड में अपनी एक खास जगह बना रहे हैं।

बिजली की केबल पर झूल रही पेड़ की टूटी टहनी बन सकती है हादसे का सबब, विभाग नहीं दे रहा ध्यान

-एक माह पूर्व तेज आंधी में टूटी थी टहनी, प्रतिदिन होता है हजारों वाहनों का आवागमन

लोक प्रेरणा

लोहारू। नगर के मुख्य बाजार से पुराना शहर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जनस्वास्थ्य विभाग के जलघर संख्या एक की चारदीवारी व निजी स्कूल के गेट के सामने लगे बिजली के पोल की केबल पर पेड़ की टूटी टहनी झूल रही है जो किसी भी समय हादसे का सबब बन सकती है। हादसे के भय के बीच प्रतिदिन यहां से हजारों लोगों व वाहनों का आवागमन रहता है। स्थानीय लोग बिजली विभाग से बिजली के पोल की केबल पर झूल रही पेड़ की टहनी को हटाने की मांग कर चुके है परंतु शायद विभाग व प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। आलम यह है कि हल्की हवा चलने पर ही बिजली की केबल पर झूल रही पेड़ की टहनी हिलने लगती है जो कभी भी बीच मार्ग पर गिर सकती है। ध्यान रहे कि पुराना शहर के लोग, मुख्य बाजार, सरकारी अस्पताल, बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, कोर्ट परिसर, लघु सचिवालय, नगर पालिका कार्यालय सहित अन्य सरकारी कार्यालयों में आवागमन के लिए यहीं से गुजरते है। जिस स्थान पर यह पेड़ की टहनी बिजली के तारों पर झूल रही है वह एक निजी स्कूल के बिल्कुल सामने है तथा दो दिन बाद स्कूलों के ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद यहां हजारों स्कूली बच्चों का भी आवागमन रहेगा।

ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब एक माह पूर्व तेज आंधी के कारण पेड़ की टहनी टूटकर बिजली की केबल पर लटक गई थी। इस बारें बिजली विभाग के कर्मचारियों को अनेक बार अवगत करवाने के बावजूद भी इस समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है जो विभाग व प्रशासन की लापरवाही को दशार्ता है। स्थानीय निवासियों ने पेड़ की टहनी को बिजली की केबल के ऊपर से हटाने की मांग की है ताकि लोगों व वाहन चालकों को आवागमन के दौरान हादसे का भय न रहे।

इस बारे में बिजली विभाग के एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि पेड़ों की टूटी हुई टहनियों को लाइन के ऊपर से हटा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंधी की वजह से टहनी टूटी होगी, कर्मचारियों को बोलकर अभी हटवा दिया जाएगा।

सुरेहती जाखल के एथलीट संदीप पूनिया ने ऑस्ट्रियाई रेस वॉकिंग चैम्पियनशिप की 35 किमी पैदल चाल में हासिल किया रजत पदक

ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके है संदीप पूनिया, 2 घंटे 38 मिनट 45 सेकंड में किया पैदल चाल को पूरा

लोक प्रेरणा

सतनाली। खंड के गांव सुरेहती जाखल निवासी एथलीट, भारतीय सेना की 16वीं बटालियन, जाट रेजिमेंट के सूबेदार संदीप पूनिया ने गत 9 जून को इंसब्रुक में आयोजित ऑस्ट्रियाई रेस वॉकिंग चैम्पियनशिप में 35 किमी रेस वॉक स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर एक और उपलब्धि अपने नाम हासिल की है वहीं सतनाली क्षेत्र, जिले, प्रदेश व देश का नाम अंर्तराष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। संदीप ने इस स्पर्धा में 2 घंटे 38 मिनट 45 सैकेंड का समय यह उपलब्धि हासिल की है। संदीप की इस उपलब्धि पर ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों सहित परिजनों में खुशी का माहौल है तथा क्षेत्र के सामाजिक संगठनों ने संदीप पूनिया को बधाई दी है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी संदीप पूनिया अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश को गौरवान्वित कर चुके है तथा ओलंपिक में भी भारत की ओर से प्रतिनिधित्व कर चुके है। वर्ष 2022 में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भी संदीप ने कास्य पदक हासिल कर प्रदेश को गौरवान्वित किया था। वहीं हाल ही में गत 19 अप्रैल को चंडीगढ़ में आयोजित की गई 12वीं भारतीय ओपन रेस वाकिंग प्रतियोगिता में भी एथलेटिक्स संदीप कुमार पूनिया ने रजत पदक हासिल किया था। ध्यान रहे कि संदीप कुमार पुनिया आर्मी की जाट रेजिमेंट में सूबेदार की रैंक पर तैनात हैं। नवंबर में ये सूबेदार मेजर की पदोन्नति पा लेंगे। एथलेटिक्स संदीप कुमार महेंद्रगढ़ जिले के सतनाली खंड के गांव सुरेहती जाखल की ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते है तथा उनका सफर ग्रामीण खेतों से शुरू हुआ जहां उन्होंने परिवार की आर्थिक तंगी के बावजूद अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत की तथा उन्होंने अपने प्रारंभिक वर्ष अपने परिवार की सहायता करने और स्थानीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग लेने में बिताए।

उनके जीवन ने एक महत्वपूर्ण मोड़ तब लिया जब वे सेना में भर्ती हुए, जहां उन्हें जाट रेजिमेंट सेंटर में रेस वॉकिंग से परिचित कराया गया। सेना में मिले प्रशिक्षण के बाद संदीप ने पीछे मुडकर नहीं देखा तथा अनेक राष्ट्रीय व अंर्तराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपना परचम लहराया तथा ओलंपिक तक का सफर तय किया। दक्षिण पश्चिमी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने संदीप के असाधारण प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की खेलों में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह न केवल व्यक्तिगत सफलताओं को उजागर करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स के क्षेत्र में सैन्य कर्मियों के बढ़ते प्रभाव पर भी जोर देता है। संदीप पूनियां की उपलब्धि पर क्षेत्र के सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बधाई दी है।

कवितावली जुलाई अंक का भव्य विमोचन

साहित्यिक संकल्प का उत्सव सुप्रसिद्ध अभिनेत्री एवं निर्देशक डॉ. रानी बलवीर कौर ने किया विमोचन

लोक प्रेरणा

चंडीगढ। हिन्दी साहित्यिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी 'कवितावली' पत्रिका के जुलाई अंक का अनावरण एक गरिमामय ऑनलाइन समारोह में सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन थिएटर, पंजाब यूनिर्वासटी की पूर्व अध्यक्षा डॉ. रानी बलवीर कौर के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। यह अवसर मात्र एक अंक का विमोचन नहीं, बल्कि साहित्यिक संकल्प के उत्सव के रूप में मनाया गया।

इस विशेष आयोजन में कवितावली के सम्पादकीय मंडल से कई गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य संपादक श्री सुरेश पुष्पाकर (ग्रेट ब्रिटेन), संपादक श्री प्रेम विज, सलाहकार संपादक श्री विजय कपूर, वित्तीय सलाहकार श्रीमती इनु शर्मा, सलाहकार श्री साहिल सिंह, संयुक्त संपादक डॉ. संतोष गर्ग, प्रो. अलका कांसरा, तथा डॉ. विनोद शर्मा प्रमुख हैं।

डॉ. रानी बलवीर कौर ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा, "संगीत और नाटक आत्मा की गहराई से जुड़ते हैं। जब सुर, शब्द और संवेदना एकाकार होते हैं, तो कला केवल मंच की नहीं, आत्मा की अभिव्यक्ति बन जाती है। कलाकार जीवन के उन अंशों में भी सौंदर्य ढूँढ़ लेता है, जिन्हें दुनिया व्यर्थ समझती है—जैसे नेकचंद ने रॉक गार्डन को वैश्विक पहचान दिलाई।"

उन्होंने चण्डीगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना करते हुए 'कवितावली' की संपादकीय टीम को बधाई दी और कहा कि यह पत्रिका विश्वभर में फैले भारतीय मूल के हिंदी साहित्यप्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक मंच बन चुकी है। मुख्य संपादक श्री सुरेश पुष्पाकर की विशेष सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश में रहते हुए भी वे भारतीय संस्कृति की जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और देश-विदेश के साहित्यकारों को एक मंच पर लाकर हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार में योगदान दे रहे हैं। समापन पर सलाहकार संपादक श्री विजय कपूर ने धन्यवाद ज्ञापन में कहा, ह्लयह केवल जुलाई अंक का विमोचन नहीं, बल्कि हमारी भाषा और सांस्कृतिक चेतना को कविता की लौ से प्रकाशित करने का एक साहित्यिक संकल्प है।

लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल नेअब तक का सबसे बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया

लोक प्रेरणा

रोहतक। भारत के इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने आज अपने इतिहास का सबसे बड़ा प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया। यह कदम भारत के प्रमुख औद्योगिक क्लस्टर्स और विकास गलियारों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के तहत कंपनी देश के 30 औद्योगिक शहरों में जाकर स्थानीय नेतृत्व, हितधारकों और सहयोगियों से संवाद करेगी। इसका उद्देश्य भारत के विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के केंद्रों में तकनीकी अपनाने की गति को बढ़ाना है।

कम वोल्टेज समाधानों, औद्योगिक ऑटोमेशन और नई ऊर्जा आवश्यकताओं पर गहरे फोकस के साथ, लॉरिट्ज नुडसेन एक तकनीक-आधारित बदलाव को आगे बढ़ा रहा है, जो भारत के प्रमुख और महत्वपूर्ण औद्योगिक नगरों तक पहुंचता है। लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के सीओओ नरेश कुमार ने कहाः ह्लहमारा उद्देश्य स्मार्ट टेक्नोलॉजीज के जरिए ग्राहकों को ज्यादा सुरक्षित, तेज और स्मार्ट तरीके से काम करने में सक्षम बनाना है। इस प्रोडक्ट शोकेस के माध्यम से हम यह भरोसा और मजबूत कर रहे हैं कि नवाचार हर क्षेत्र की अलग-अलग जरूरतों के अनुसार सुलभ, अनुकूलनीय और प्रासंगिक होना चाहिए। फिर चाहे बात रायपुर की राइस मिल को ऑटोमेट करने की हो, कोयंबटूर की टेक्सटाइल मिल को ऊर्जा देने की हो, या पुणे के किसी प्लांट का आधुनिकीकरण करने की – हमारा पोर्टफोलियो असर डालने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, भारत का इलेक्ट्रिकल उपकरण क्षेत्र 2029 तक 95 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन बाजार 2033 तक 39.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की दिशा में बढ़ रहा है—यह रफ्तार बहुत स्पष्ट है। भारतीय निमार्ता पहले ही अपने संचालन बजट का 35% तकनीकी आधुनिकीकरण में निवेश कर रहे हैं—जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है।

वी बिजनेस ने एमएसएमई दिवस के मौके पर मनाया विकास का जश्न

लोक प्रेरणा

हिसार। विश्व एमएसएमई दिवस के मौके पर जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज शाखा वी बिजनेस ने अपने प्रमुख रेडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट्स स्टडी 2025 के तीसरे संस्करण को जारी किया।

डिजिटल भारत, भारत नेट एवं मोबाइल ब्रॉडबैण्ड के बढ़ते इस्तेमाल के साथ भारत की तेजी से विकसित होती डिजिटल इकोनोमी में छोटे कारोबार अपने संचालन की दक्षता एवं बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल टूल्स का उपयोग कर रहे हैं।

रेडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट्स स्टडी 2025 इस सकारात्मक बदलाव की ओर इशारा करती है, जहां देश के डिजिटल मैच्योरिटी इंडैक्स (डीएमआई) में बढ़ोतरी हो रही है, हालांकि डिजिटल अडॉप्शन खंडित बना हुआ है। मजबूत इरादे, सही आर्थिक सहयोग एवं उचित अडवाइजरी सहयोग के साथ भारत के छोटे कारोबार अपनी डिजटल यात्रा को गति प्रदान करने के लिए मजबूत स्थिति में हैं।

इस अध्ययन पर बात करते हुए अरविंद नेवातिया, चीफ एंटरप्राइज बिजनेस ऑफिसर, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा, भारत के एमएसएमई स्पष्ट रूप से डिजिटल उत्सुकता से बढ़कर डिजिटल प्रतिबद्धता की ओर रुख कर रहे हैं- और यह उत्साहजनक बदलाव है। क्लाउड, साइबरसिक्योरिटी एवं ऑटोमेशन में बढ़ता निवेश दशार्ता है कि छोटे कारोबार टेक्नोलॉजी को युटिलिटी के रूप में नहीं बल्कि विकास को बढ़ावा देने वाले कारक के रूप में देख रहे हैं। रेडी फॉर नेक्स्ट प्रोग्राम के माध्यम से हमारा उद्देश्य भारत के एमएसएमई की अतुलनीय विकास यात्रा का जश्न मनाना है, जो छोटे नगरों से विश्वस्तरीय बाजारों तक, मैनुअल प्रक्रियाओं से डिजिटल-फर्स्ट उद्यमों तक विकसित हुए हैं।

क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के पास यूडीआरएचपी-क दाखिल किया

लोक प्रेरणा

गुरुग्राम। क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (कंपनी), जो एक भारतीय एजुकेशन फाइनेंस कंपनी है और भारत तथा विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों को शिक्षा ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है, ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना यूडीआरएचपी-क दाखिल किया है।

कंपनी प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से रु 5,000 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कुल निर्गम में रु 3,000 करोड़ के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और रु 2,000 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर फॉर सेल) शामिल होगी। प्रत्येक इक्विटी शेयर का अंकित मूल्य रु10 है।

ऑफर फॉर सेल के तहत रु 2,000 करोड़ तक के शेयरों की बिक्री की जाएगी, जिसमें से रु 950 करोड़ के शेयर प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक कोपवूर्न बी.वी. (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा और रु 1,050 करोड़ के शेयर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (अन्य विक्रय शेयरधारक) द्वारा बेचे जाएंगे।

2006 में स्थापित क्रेडिला भारत की अग्रणी एजुकेशन फाइनेंस कंपनियों में से एक है, जैसा कि उद्योग रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है।

कंपनी फ्रेश इश्यू से आने वाले पैसे का उपयोग अपने पूंजी आधार को सुदृढ़ करने और भविष्य में व्यापार व परिसंपत्तियों के विस्तार के लिए पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के मकसद से करेगी।

कंपनी द्वारा, आरओसी के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, बीआरएलएम के परामर्श से निर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जा सकता है, जिसकी कुल राशि रु600 करोड़ से अधिक नहीं होगी (प्री-आईपीओ प्लेसमेंट)। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है, तो कंपनी द्वारा बीआरएलएम के परामर्श से तय की जाने वाली कीमत पर होगा। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है, तो प्री-आईपीओ प्लेसमेंट से जुटाई गई राशि नए निर्गम से कम हो जाएगी, बशर्ते कि प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2)(बी) का अनुपालन किया जाए, जैसा कि संशोधित किया गया है (एससीआरआर)। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है, तो नए निर्गम के 20% से अधिक नहीं होना चाहिए।

लोहारू क्षेत्र के बीएलओ को कर्तव्य और दायित्व विषय पर दिया जाएगा प्रशिक्षण: एसडीएम मनोज दलाल

लोक प्रेरणा

लोहारू। लोहारू क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों के कर्तव्य और दायित्व के विषय में स्थानीय बीडीपीओ कार्यालय में 10, 11, 14, 15 व 16 जुलाई को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी बूथ लेवल अधिकारियों को उनके कर्तव्य और जिम्मेवारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। लोहारू विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि बीएलओ को 10, 11, 14, 15 और 16 जुलाई को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 105 नई देवी बसों को नरेला डिपो में दिखाई हरी झंडी

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 27 जून शुक्रवार को राजधानी को दो बड़ी सौगात दी हैं। रेखा गुप्ता ने नारंगी रंग की 105 नई देवी (दिल्ली ईवी इंटर-कनेक्टर) इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही नरेला में नवनिर्मित सेक्टर अ9 डिपो का उद्घाटन भी किया। उन्होंने इसे राजधानी के लिए स्वच्छ और अधिक कुशल सार्वजनिक परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि ये बस डिपो केवल 90 दिनों में बनकर तैयार हो गया,और दावा किया कि यह दिल्ली निवासियों से किए गए वादों को पूरा करने की भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

हालाँकि गुप्ता ने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर भी हमला किया और उस पर दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को घाटे में धकेलने और भ्रष्ट प्रणाली को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री रेखा ने कहा कि बसें दिल्ली की जीवन रेखा हैं। लेकिन पिछली सरकार के तहत, रूट काट

दिए गए, बसें कम कर दी गईं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछली सरकार के दौरान डीटीसी को 65,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना भी भ्रष्टाचार से ग्रसित थी और पैनिक बटन सिर्फ दिखावे के लिए लगाए गए थे।

नई नौ मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए सीएम ने कहा कि वे एयर कंडीशनिंग, पैनिक बटन और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस हैं। उन्होंने कहा, "जब हमने कागज के टिकट हटाकर कार्ड का इस्तेमाल शुरू किया, तो 'आप' ने झूठ फैलाया कि महिलाएं अब मुफ्त में यात्रा नहीं कर पाएंगी, लेकिन यह कदम केवल भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उठाया गया था।

इस बीच, कार्यक्रम में मौजूद दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि पिछली 'आप' सरकार ने लोगों को बेहतर बसों के उनके अधिकार से वंचित रखा। उन्होंने कहा, "ये बसें पिछले मॉनसून तक आ जानी चाहिए थीं, लेकिन पिछली सरकार ऐसा करने में नाकाम रही। आज, भाजपा उस वादे को पूरा कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत, मामला दर्ज

लोक प्रेरणा

सतनाली। सतनाली - नावां सड़क मार्ग पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान कनीना क्षेत्र के गांव खेड़ी निवासी 42 वर्षीय नरेश के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि नरेश अपनी बाइक लेकर कार्यवश जा रहा था। इस दौरान जब वह सतनाली और नावां के बीच पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायल नरेश को सतनाली पीएचसी में पहुंचाया जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हायर सेंटर ले जाते समय नरेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम महेंद्रगढ़ के सरकारी अस्पताल में करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

बवाना में कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल के भांजे की हत्या, पुलिस ने जताई गैंगवार की आशंका

नई दिल्ली । दिल्ली में सरेआम कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल के भांजे की हत्या कर दी गई है। दिल्ली के बवाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। मृतक की पहचान मंजीत महाल के भांजे दीपक के रूप में हुई, जो सुबह टहलने के लिए निकला था। इस घटना में हत्याकांड में गैंगवार का संदेह जताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच की है। दो हमलावर बाइक पर सवार होकर आए और दीपक पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। उन्होंने कई राउंड फायर किए थे। मौके पर ही दीपक की मौत हो गई। दीपक को निशाना बनाकर हमला किया गया, जिसमें उसकी बेटी भी घायल हो गई। हमले के समय दीपक के साथ मॉर्निंग वॉक पर उसकी बेटी भी थी। गोलीबारी में उसकी बेटी के हाथ में चोट आई है। हालांकि वो खतरे से बाहर है।पुलिस ने बताया कि दीपक को 7-8 घाव लगे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक गोलियों की सही संख्या का पता नहीं चलेगा।

जांच में सामने आया है कि दीपक की हत्या करने के बाद हमलावर आगे की ओर बढ़े थे, लेकिन वो फिर वापस लौटकर आए और दोबारा भी दीपक को गोली मारी। उसके बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, मृतक दीपक कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल का भांजा था, हालांकि उसकी खुद की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी।

घटना में पुलिस को संदेह है कि ये हत्या इलाके में चल रही गैंगवार का हिस्सा हो सकती है। पुलिस ने बताया कि दो हमलावरों में से एक की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

सफाई व्यवस्था के अभाव में परशुराम चौक पर हालात बद से बदतर, छुट्टा पशुओं का रहता है जमघट

स्थानीय निवासी भी सफाई व्यवस्था के प्रति नहीं है जागरूक, खुले में डाल रहे कूड़ा करकट

लोक प्रेरणा

लोहारू। नगर के अति व्यस्त भगवान परशुराम चौक पर गंदगी व कूड़े करकट के ढेर नगर पालिका की सफाई व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। स्थानीय निवासियों द्वारा परशुराम चौक पर डाले जाने वाला कूड़ा करकट जन स्वास्थ्य विभाग के खुले पड़े वॉल की हौद में गिरकर जलापूर्ति के रूप में लोगों के घरों तक सप्लाई हो रहा है जिस कारण गर्मी के मौसम में बीमारियां फैलने का भी भय बन गया है। वहीं जन स्वास्थ्य विभाग की होद में लगे वॉल का पानी कूड़े करकट के कारण ओवरफ्लो होकर मुख्य रास्तों पर भी बह रहा है। गंदगी का आलम इस कदर है कि यहां सुबह सवेरे लोगों द्वारा डाले जाने वाला कूड़ा करकट आम लोगों के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न कर रहा है वही इस कूड़े करकट के आसपास आवारा पशु भटकते रहते हैं जिस कारण यह कभी भी हादसे को दावत दे सकता है। ध्यान रहे की कुछ वर्ष पूर्व परशुराम चौक पर आवारा पशुओं के आतंक के कारण एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है इसके बावजूद भी न तो नगर पालिका प्रशासन गंभीर है तथा न ही स्थानीय निवासी। स्थानीय निवासी जानबूझकर यहां कूड़ा डालते हैं तथा यहां की बदहाल सफाई व्यवस्था के लिए नगर पालिका से अधिक जिम्मेदार स्थानीय निवासी ही है। यदि नगर पालिका यहां कोई बड़ा कूड़ा दान रखवा दे तो यहां गंदगी व कूड़े करकट की समस्या से कुछ हद तक निजात मिल सकती है। चौक पर बड़ा कूड़ादन ने होने के कारण लोग अपने घरों का कूड़ा परशुराम चौक पर खुलेआम भी सडक पर ही डाल देते हैं। यह भी काबिले गौर है की नगर पालिका द्वारा घरों से कूड़ा करकट उठाने के लिए गाडि?ां भी लगाई गई है जो प्रतिदिन घरों से कूड़ा एकत्रित करती है परंतु इसके बावजूद परशुराम चौक व आसपास के घरों के लोग नगर पालिका की गाडियों में कूड़ा डालने की बजाय खुले में कूड़ा डालना उचित समझते हैं जिसकी वजह से चौक की सुंदरता तो प्रभावित होती है साथ ही गंदगी के ढ़ेर में आवारा पशु मुहं मारते रहते है जो आवागमन में भी बाधा बनते है। हालांकि नगरपालिका के सफाई कर्मी प्रतिदिन सुबह यहां से कूड़ा करकट उठाते भी है लेकिन अगले दिन फिर से वहीं हालात हो जाते है। नगरवासियों ने प्रशासन व नपा से परशुराम चौक पर कूड़ा करकट डालने के लिए कूड़ादान रखवाने की मांग करते हुए यहां बने हौद को ढकवाने की मांग की है ताकि गंदगी व कूडा करकट हौद के वॉल से पानी सप्लाई में मिलकर घरों तक न पहुंच पाए। इस बारे में नपा सचिव तेजपाल सिंह तंवर ने बताया कि सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से सफाई होती है। यदि इसके बाद भी सफाई व्यवस्था प्रभावित है तो सफाई कर्मचारियों को सख्त निर्देश देकर परशुराम चौक की सफाई करवा दी जाएगी और हौद का ढक दिया जाएगा। वहीं छुट्टा पशुओं के बारे में उन्होंने कहा कि इनको पकड़ने की योजना बनाई गई है जिसके तहत जल्द ही इनको पकडकर गौशाला तक पहुंचाया जाएगा।

उमस भरी गर्मी पशुओं पर पड़ रही भारी, पशु हो रहे बीमार

लोक प्रेरणा

सतनाली। सतनाली क्षेत्र में मौसम में आई खुश्की व उमस भरे वातावरण के बीच जहां आम लोग परेशान है वहीं पशुओं में भी इसके प्रभाव के कारण बेचैनी देखी जा सकती है। इंसान तो तपिश के कारण आई बेचैनी व दबाव को डॉक्टरों के समक्ष जाकर बता सकते हैं, लेकिन बेजुबान जानवर इस दबाव को किसी को नहीं बता सकते। मौसम में गर्मी के इस दबाव के कारण पशुओं में गलघोटू जैसी जानलेवा बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है। जैसे-जैसे मौसम में बदलाव होता है उतनी जल्दी पशु अपने शरीर को मौसम के अनुसार नहीं ढ़ाल सकता और पशु दबाव में जाता है। इस दबाव वाले मौसम में पशुओं के गले में रहने वाले पाश्चुरेला मल्टोसिडा नामक जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं।

पशु पहले ही दबाव में होता है जिससे पशु की प्रतिरोधक क्षमता उन जीवाणुओं से लड़ने में सक्षम नहीं हो पाती और ये जीवाणु पशु के लिए जानलेवा साबित हो जाते हैं। पशुपालन विभाग की मानें तो इस बदलते मौसम में पशुओं को दबाव गलघोटू से बचाने के लिए एचएस, गलघोटू का टीकाकरण कराना चाहिए। विभाग द्वारा गलघोंटू वैक्सीन भेज उपलब्ध करवाई गई है। अगर एक भी पशु टीकाकरण से वंचित रह गया और यह बीमारी एक पशु में हो गई तो पूरे गांव के पशुओं को अपनी चपेट में ले लेती है और बहुत से पशुओं की मौत का कारण बन जाती है। उन्होंने बताया कि कई लोगों को भ्रांति है कि टीकाकरण से पशु का दूध सूख जाता है गर्भपात हो जाता है। टीकाकरण से पशु को फायदा ही होता है और उसके शरीर में गलघोटू बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

लक्षण व बचाव के उपाय:-

पशुओं को सांस लेने में समस्या होना, पशु का तापमान बढ़ना, मुंह से पानी गिरना, पशु चरना बंद कर देता है, पशु बिल्कुल सुस्त रहता है। इस तरह के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए ताकि पशुओं को समय रहते बचाया जा सके।

पीएम मोदी दो से नौ जुलाई के बीच पांच देशों की करेंगे यात्रा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2-3 जुलाई को घाना की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। भारत के किसी प्रधानमंत्री की यह घाना यात्रा तीन दशकों के बाद हो रही है।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी घाना के राष्ट्रपति के साथ मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करने और आर्थिक, ऊर्जा और रक्षा सहयोग तथा विकास सहयोग को साझेदारी के माध्यम से बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा करेंगे।

यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और इकोवास (पश्चिम अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय) और अफ्रीकी संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगा।

अपनी यात्रा के दूसरे चरण में त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 3 से 4 जुलाई तक त्रिनिदाद और टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। प्रधानमंत्री के रूप में इस देश की उनकी पहली यात्रा होगी और 1999 के बाद से प्रधानमंत्री स्तर की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर के साथ वार्ता करेंगे और भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने की भी उम्मीद है। प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को नई गति प्रदान करेगा।

अपनी यात्रा के तीसरे चरण में अर्जेंटीना गणराज्य के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 4 और 5 जुलाई को अर्जेंटीना की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति माइली के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें चल रहे सहयोग की समीक्षा की जाएगी और रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश तथा लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय यात्रा भारत और अर्जेंटीना के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेगी।

फोनपे ने एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली । फोनपे और एचडीएफसी बैंक ने मिलकर एक नया को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इसके साथ ही डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी ने को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में कदम रखा।

फोनपे एचडीएफसी बैंक को-ब्रांडेड रुपे क्रेडिट कार्ड भारतीय उपभोक्ताओं की उभरती वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह खास तौर पर फोनपे प्लेटफॉर्म पर यूपीआई खर्च पर लाभ भी प्रदान करता है। फोनपे में उपभोक्ता भुगतान की चीफ बिजनेस ऑफिसर सोनिका चंद्रा ने कहा, "हम एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी में अपने पहले को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं। यह लॉन्च हमारे उपयोगकताओं को नए वित्तीय समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह कार्ड फोनपे ग्राहकों को उनके नियमित खर्चों पर मूल्य प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे उन्हें बिल भुगतान, रिचार्ज और यात्रा बुकिंग जैसी चुनिंदा श्रेणियों में 10 प्रतिशत रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे।"

इस कार्ड को देशभर में करोड़ों यूपीआई मर्चेंट्स के यहां आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, "हमें विश्वास है कि एचडीएफसी बैंक के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी, इस कार्ड से मिलने वाले लाभों के साथ मिलकर लाखों भारतीयों के लिए क्रेडिट कार्ड के अनुभव को फिर से परिभाषित करेगी।"

एचडीएफसी बैंक और फोनपे के बीच रणनीतिक साझेदारी क्रेडिट कार्ड को सुलभ और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए उनके संबंधित बैंकिंग और फिनटेक बैकग्राउंड का भी लाभ उठाती है। ये कार्ड 'अल्टीमो' और 'यूएनओ' वेरिएंट में उपलब्ध हैं। इनमें रिचार्ज, बिल भुगतान, यात्रा, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसी लोकप्रिय कैटेगरी में रिवॉर्ड पॉइंट दिए जाएंगे।

अदाणी समूह ने पुरी रथ यात्रा में शुरू की प्रसाद सेवा, गौतम अदाणी ने कहा 'अत्यंत गौरव की बात'

नई दिल्ली । अदाणी समूह ने महाकुंभ की तरह ही ओडिशा के पुरी में चल रही जगन्नाथ यात्रा के दौरान भी भक्तों के लिए 'प्रसाद सेवा' की शुरूआत की है। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने इसे अपने और अपने परिवार के लिए "अत्यंत गौरव और संतोष का विषय" बताया है।

गौतम अदाणी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से, हमें पुरी धाम की पावन रथयात्रा में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से आरंभ हो रही यह दिव्य यात्रा वह क्षण है, जब स्वयं भगवान अपने

भक्तों के बीच आकर उन्हें दर्शन देते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा और समर्पण का अनुपम उत्सव है।"

उन्होंने बताया कि समस्त अदाणी परिवार इस पुण्य अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और श्रद्धा से समर्पित है। हर भक्त को स्वच्छ, पौष्टिक और प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन मिले, इसी संकल्प के साथ पुरी धाम में ह्यप्रसाद सेवाह्न आरंभ की गई है।

अदाणी समूह के चेयरमैन ने पोस्ट में लिखा, "पुरी की इस पुण्यभूमि पर एक सेवक के रूप में जुड़ना मेरे लिए और समस्त अदाणी परिवार के लिए अत्यंत गौरव और संतोष का विषय है। मैं प्रार्थना करता हूं कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की कृपा हम सब पर सदा बनी रहे।"

उन्होंने पोस्ट के अंत में "नर सेवा ही, नारायण सेवा है और सेवा ही साधना है" लिखा, जिस वाक्यांश का इस्तेमाल उन्होंने इस साल के आरंभ में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान भी कई बार किया था। अदाणी समूह ने महाकुंभ में भी 'प्रसाद सेवा' के जरिए वहां आए लाखों भक्तों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया था।

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से शुक्रवार को पावन रथ यात्रा शुरू हुई। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर तक जाते हैं। उसके बाद भगवान वापस अपने मूल स्थान पर लौट आते हैं। यह यात्रा 8 जुलाई तक चलेगी।

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के एक मजबूत स्तंभ हैं। वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एक सुदृढ़ एमएसएमई इकोसिस्टम देश के सतत आर्थिक विकास के लिए न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि आवश्यक भी है। ये उद्यम पूंजी की अपेक्षाकृत कम लागत पर अधिक रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये उद्यम ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में रोजगार पैदा करते हैं। इस प्रकार, एमएसएमई क्षेत्र कमजोर वर्गों को सशक्त बनाकर और विकास का विकेंद्रीकरण करके समावेशी विकास में योगदान करता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एमएसएमई क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें प्रमुख रूप से वित्त की समस्या, बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे

माल और कुशल कार्यबल की कमी, सीमित बाजार और विलंबित भुगतान शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई के महत्व और उनकी समस्याओं को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने कई नीतिगत पहल की हैं। इनमें एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों का संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को अपनी वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम से कम 35 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्यमों से प्राप्?त करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास आदि शामिल हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इन प्रयासों से पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एमएसएमई के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल विलंबित भुगतान के मामलों में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि एमएसएमई की स्थिरता के लिए नवाचार बहुत महत्वपूर्ण है। एमएसएमई द्वारा जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने से स्थानीय संसाधनों से स्थानीय मुद्दों का किफायती समाधान मिल सकता है।

राष्ट्रपति ने हाल के वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने युवा महिलाओं से उद्यम स्थापित करने और आत्मनिर्भर बनने का आग्रह किया।

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भ्रष्टाचार कर स्वास्थ्य सेवाओं को किया नष्ट : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने पिछली 'आप' सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मंत्रियों पर उनके कार्यकाल में स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। एसीबी की ओर से मामला दर्ज किए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ववर्ती 'आप' सरकार ने भ्रष्टाचार कर दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को नष्ट कर दिया।

संदीप दीक्षित ने कहा कि एसीबी ने जो मामला दर्ज किया है, उससे उन्हें बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ है।

कांग्रेस पार्टी ने बार-बार इस बात को उजागर किया है कि आवंटित धन का दुरुपयोग किया गया। इन अस्पतालों की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल में हुई थी। खर्च दोगुना या तिगुना करने के बावजूद 30-40 प्रतिशत काम भी पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली के भीतर सरकार 9-10 अस्पताल बनाने वाली थी। लेकिन, एक भी अस्पताल का निर्माण नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी पार्टी की

सरकार ने नष्ट कर दिया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि अगर सही ढंग से स्वास्थ्य के घोटाले में जांच हुई तो पूर्व में रही आम आदमी पार्टी सरकार की भ्रष्टाचार पूरी तरह से उजागर हो जाएगी। 'आप' के भ्रष्टाचार के मामलों में अदालत में केस न चलाने पर निराशा व्यक्त की और भाजपा सरकार मंशा पर सवाल उठाए।

एससीओ की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर चीनी रक्षा मंत्री को जानकारी देने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह अच्छी बात है। यह जरूरी है कि आतंकी हमले का जिक्र किया जाए। आतंकी गतिविधि जहां भी होगी, उसकी निंदा की जाएगी। रक्षा मंत्री ने जो किया वह ठीक बात है। हिंदी भाषा विवाद पर एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए संदीप दीक्षित ने कहा कि किसी भी भाषा को नजरअंदाज करना बिल्कुल सही नहीं है। हमारी सभी राष्ट्रीय भाषाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन आधिकारिक भाषाओं से ज्यादा हमारी मातृभाषाएं या क्षेत्रीय भाषाएं इस देश की विविधता की नींव हैं। वे हमारी संस्कृति और अपील का हिस्सा हैं। उत्तर भारत में आने वाले लोग हिंदी सीखते हैं, दक्षिण भारत जाने वाले लोग वहां की स्थानीय भाषाएं सीखते हैं और पूर्व में जाने वाले लोग वहां बोली जाने वाली भाषाएं सीखते हैं।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

संपादक की कलम से

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पांव प्रसार रही है ब्लडप्रेशर की बीमारी

वर्तमान समय में तेजी से बदलते रहन-सहन और खानपान के चलते लोगों का ब्लड प्रेशर लगातार बढ़ रहा है जो गंभीर चिंता का विषय है। खाने पीने के शौकीन लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या लगातार बढ़ रही है, उच्च रक्तचाप के कारण दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ता जा रहा है और अकाल मृत्यु की घटनाएं बढ़ रही है।पहले शहरी अमीरों की बीमारी समझा जाने वाला ब्लड प्रेशर का रोग अब ग्रामीणों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। देश भर में जवान लोगों की बढ़ती मृत्यु की घटनाओं में जिस प्रकार बढ़ोतरी हो रही है उससे चिंताएं बढ़ रही है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट दिल्ली के मेडिसन विभाग के डॉक्टरों का एक मत से कहना है कि मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए और ना ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है,जिससे भविष्य में लोगों के हृदय रोग के शिकार होने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। एक सर्वे के अनुसार पंजाब में 45 से 60 वर्ष की आयु में उच्च रक्तचाप की समस्या सबसे अधिक पाई जाती थी लेकिन अब कुछ वर्षों से जवान लोगों को भी उच्च रक्तचाप की समस्या से घिरे हुए देखा गया है। लॉगगिट यूडिट एजिग स्टडी ऑफ इंडिया की ओर से प्रकाशित शोध पर आई एम ई (एस) ने पुनः शोध किया और दोबारा उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या पर चिंता प्रकट की है। उन्होंने बताया कि पंजाब में 60 फीसदी से ज्यादा लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि अनियमित लाइफस्टाइल इसका मुख्य कारण है,इसके साथ और भी कई कारण है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है जैसे शराब का सेवन ,घी-तेल ,तले भुने खाने का अधिक सेवन ,फास्ट फूड का प्रयोग ,खेती में स्प्रे का बढ़ता चलन इत्यादि। पिछले कुछ दिनों में 45 वर्ष की उम्र वालों में हाई ब्लड प्रेशर सबसे ज्यादा बढ़ा है। 40 प्रतिशत लोगों में उच्च रक्तचाप से पहले वाले लक्षण मौजूद होते हैं, इसी कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक होने का लोगों में ज्यादा खतरा है। पूरे भारत में स्थिति बहुत गंभीर होती जा रही है। देश भर में खान-पान ठीक ना होने के कारण उच्च रक्तचाप के रोगियों में लगातार वृद्धि होती जा रही है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में उच्च रक्तचाप की समस्या ज्यादा पाई जाती है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसन एवं स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ में तैनात डॉक्टरों की टीम का कहना है कि 15 से 49 वर्ष के आयु वर्ग में पुरुष उच्च रक्तचाप का प्रसार बराबर आयु की महिलाओं की तुलना में अधिक है। उन्होंने बताया कि 45 प्रतिशत भारतीय वयस्क उच्च रक्तचाप से ग्रस्त मिले जबकि 30 फीसदी को निदान और नियंत्रण के अभाव से उच्च रक्तचाप था। उच्च रक्तचाप से पीड़ित युवा और उम्रदराज आबादी दोनों के साथ हमारे सामने एक बड़ा स्वास्थ्य संकट मौजूद है। शोध में पाया गया है कि 60 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों का वजन कम है। ऐसे में देखा जाए तो अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी पड़ेगी ,बदलते मौसम में बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, लोगों को फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए और सुबह शाम लंबी सैर की आदत डालना जरूरी है ,यदि आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए और नियमित दवाई का सेवन करना भी चाहिए। उच्च रक्तचाप के कारणों पर नजर डाली जाए तो साफ स्पष्ट है कि लोगों ने मेहनत वाला काम करना छोड़ दिया है , महिलाएं भी अब घरों के काम में रुचि नहीं लेती। पहले कपड़े धोने, पानी भरने जैसे मेहनत वाले काम महिलाएं किया करती थी जिससे उनका पर्याप्त व्यायाम हो जाता था। पुरुष भी काम पर पैदल या साइकिल से जाया करते थे।यह काम अब कम होने लगे हैं। लोगों में शराब की लत पहले से ज्यादा बढ़ रही है ।

पहले लोग दूध ,लस्सी, मक्खन खाया करते थे लेकिन अब यह गांव में भी लुप्त होता जा रहा है, अब यह बीमारी घर घर में दस्तक दे रही है।

भंवरों की देवी है जीण माता

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है।

मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं।

एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी।

हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है।

आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है।

जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं।

लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

-ललित गर्ग-

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गमार्ये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरूआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं। काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल ह्यअखंड भारतह्ल के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दशार्ते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

प्रेषक
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92

भाजपा में मोदी का विकल्प नहीं

- अरविन्द मोहन

दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुठ्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते।

नए संवत्सर की शुरूआत पर गुड़ीपड़वा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री की भेंट का इंतजार बहुत लोगों को था लेकिन जो आधिकारिक बातें निकालकर आईं उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार समेत की बड़े मसलों पर इन दो शीर्षस्थ लोगों के बीच कोई निर्णयात्मक बात हुई। इस बीच अगर शिव सेना के संजय राऊत प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी वाली बहस न छेड़ते तो बातचीत का मसला न्यूज के हिसाब से फीका होकर एक किनारे लग गया होता। संजय राऊत से महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस बहस में उतरे और यह कहा कि न तो भाजपा को कोई उत्तराधिकारी चाहिए और न इस मसले पर कोई चर्चा हुई। उन्होंने इस बात का भी खंडन किया कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। उनके अनुसार 75 वर्ष पर सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला प्रधानमंत्री पर लागू नहीं होता और अगले चुनाव में भी नरेंद्र मोदी ही अगुआई करेंगे। संजय राऊत 75 वर्ष वाले मसले को उठाने के साथ फड़नवीस बनाम नितिन गडकरी जैसे सवालों को भी छेड़ रहे थे जो महाराष्ट्र और संघ परिवार की राजनीति के लिए काफी महत्व का है। लेकिन गौर से देखेंगे तो मोदी के उत्तराधिकार और भाजपा के अगले अध्यक्ष का सवाल पूरे मुल्क की राजनीति के हिसाब से काफी बड़ा है। अब ऐसा भी नहीं है कि संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री माइक/कैमरा लगाकर सारी चर्चा करते और हम आप सभी उनकी बातचीत और भाव भंगिमा को सीधे देख सुनकर जान जाते। ऐसा होता नहीं है। पर जिस तरह मोदी जी ने भाजपा के अपने से पुराने नेताओं की जमात को 75 पार के नाम पर सिरे से दरकिनार कर दिया उससे यह उत्सुकता तो होनी ही है कि उनका 75 पूरा होने पर क्या होता है। लेकिन इससे भी ज्यादा साफ मसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा लोक सभा चुनाव के पहले यह कहना था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। वह खुद से सक्षम बन चुकी है। संयोग से उसके बाद उनका कार्यकाल भी खत्म होना था और चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब भी रहा। सो जब नई सरकार में उनको मंत्री बना दिया गया तो उन्होंने इस्तीफा दिया और नया अध्यक्ष चुने जाने तक कामचलाऊ अध्यक्ष के रूप में काम किए जा रहे है।

अब साल नजदीक आ रहा है और भाजपा नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। जो बातें छन-छन कर सामने आती रहीं उनके अनुसार इसमें संघ द्वारा अपनी पसंद का आदमी लाना बड़ी वजह है जिससे साबित हों कि भाजपा अभी भी संघ से अलग नहीं है। दूसरी और व्यावहारिक बात भाजपा के कमजोर होने से संघ का हौसला बढ़ना है। और तब से यह काफी प्रचारित हुआ है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भाजपा ने संघ के सहारे ही हारती बाजी को पलटा है।

इस लेखक की तरह काफी सारे लोग होंगे जिनकी दिलचस्पी भाजपा और संघ के संबंधों में किसके ऊपर और किसके नीचे होने में नहीं है। और यह गलतफहमी भी नहीं रखनी चाहिए कि कभी संघ और भाजपा जुदा होने या एक दूसरे का नुकसान करने जैसी स्थिति में आएंगे। पर हमारी दिलचस्पी नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी में जरूर है और इसका उनके 75 साल का होने से भी कोई मतलब नहीं है। आडवाणी जी, मुरलीमनोहर जोशी, कलराज मिश्र से लेकर रविशंकर प्रसाद तक को जब उनकी सम्पूर्ण सक्रियता और काम करने की इच्छा के बाद भी दरकिनार कर दिया गया तो शायद ही किसी को अच्छा लगा। उनकी भरपाई मोदी जी ने कुछ पूर्व नौकरशाहों और दूसरे क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर पूरी की।

अश्लील और कानफोड़ू गानों से करें परहेज।

– डॉ. सत्यवान सौरभ

शादी एक खास अवसर होता है, जो दो परिवारों की सांस्कृतिक, पारिवारिक और भावनात्मक दुनिया को जोड़ता है। यह केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन है, जिसमें भावनाओं, संस्कारों और परंपराओं का आदान-प्रदान होता है। संगीत इस आयोजन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसका चयन बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए। केवल मस्ती और डांस तक सीमित न होकर संगीत को हमारे मूल्यों, रिश्तों और भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

गानों का हमारी भावनाओं और मूल्यों से संबंध

शादी में बजने वाले गाने रिश्तों की गरिमा, परिवार की भावनाओं और संस्कृति का आदान-प्रदान करते हैं। गानों के बोल और धुनों का असर हमारे मनोबल और शादी के समग्र अनुभव पर पड़ता है। शादी एक पारिवारिक आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न आयु समूहों के लोग उपस्थित होते हैं। माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची और छोटे बच्चे भी समारोह में होते हैं। ऐसे में गानों के बोल शालीन और मर्यादित होने चाहिए ताकि किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। जैसे कि, जब हम शादी के सादे और गंभीर समारोहों में भाग लेते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह एक गहरे बंधन का प्रतीक है, और इस समय का संगीत वही होना चाहिए जो इस सच्चाई को सम्मानित करे। शादी का संकल्प जीवनभर के लिए होता है। यह एक ऐसा वचन होता है जिसमें दोनों पक्षों का प्यार, विश्वास और समर्पण शामिल होते हैं। ऐसे में गाने भी ऐसे होने चाहिए जो प्रेम, रिश्ते और परस्पर सम्मान की भावनाओं को व्यक्त करें। ब्रेकअप या धोखा पर आधारित गाने, जैसे "चन्ना मेरेया" या "भुला दूंगा", इस अवसर के लिए सही नहीं होते। ये गाने शादी के संकल्प के साथ मेल नहीं खाते हैं।

हर शादी की अपनी संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज होते हैं। विशेषकर भारतीय शादियों में पारंपरिक संगीत और धार्मिक अनुष्ठानों का बहुत महत्व है। ऐसे में, गानों के चयन में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी भी धार्मिक या सांस्कृतिक मान्यताओं को ठेस न पहुंचाएं। उदाहरण के तौर पर, यदि शादी एक विशेष धार्मिक रीति से हो रही है, तो हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि संगीत इस परंपरा के अनुरूप हो। शादी एक उत्सव होता है, और संगीत का मुख्य उद्देश्य इस खुशी को बढ़ाना है। जो गाने उत्साह और खुशी से भरे होते हैं, वे इस अवसर को और खास बना सकते हैं। इसके विपरीत, उदास या नकारात्मक गाने जैसे "तू जो नहीं", "तुम ही हो" आदि माहौल को फीका कर सकते हैं। संगीत को चुनते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि वह हर किसी के मन को खुशी और सकारात्मकता दे।

किन गानों को "डू नॉट प्ले" लिस्ट में रखें?

शादी के संगीत का चयन करते समय यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि हम उन गानों से बचें जो अश्लील, द्विअर्थी या असंवेदनशील हों। शादी का माहौल पवित्र और पारिवारिक होता है, और इसलिए हमें उन गानों से बचना चाहिए जो भाषा या भावनाओं से मयार्दा लांघते हों। उदाहरण के तौर पर, "मुन्नी बदनाम" और "शीला की जवानी" जैसे गाने इस अवसर के लिए उपयुक्त नहीं होते। शादी एक प्रेम और वचन का उत्सव है, और ऐसे गाने जो ब्रेकअप, धोखा या अस्थिर रिश्तों पर आधारित होते हैं, जैसे "चन्ना मेरेया" या "भुला दूंगा", शादी के माहौल के अनुकूल नहीं होते। शादी के समय यदि गाने नशे या अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं, तो यह माहौल के अनुरूप नहीं होते। "दारू देसी", "लुंगी डांस", और "माई ड्रिंकिंग" जैसे गाने शादी के गरिमामय माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ गाने जो केवल तेज आवाज और शोर से भरे होते हैं, जैसे कि अत्यधिक बेस वाले गाने या ऊख ट्रैक्स, वे कभी-कभी माहौल को कष्टकारी बना सकते हैं। इनसे बचने के लिए संगीत का चयन इस तरह किया जाना चाहिए कि हर कोई उसे आसानी से सुन सके और उसका आनंद ले सके। हमारी शादी में सभी वर्गों और समुदायों के लोग उपस्थित होते हैं। ऐसे में किसी भी धार्मिक या जातिगत भावनाओं को आहत करने वाले गानों से बचना चाहिए। इन गानों से बचने के लिए यह जरूरी है कि गानों का चयन एक समानता, सम्मान और प्रेम को व्यक्त करें।

कैसे बनाएं संतुलित प्लेलिस्ट?

संतुलित और विविधतापूर्ण प्लेलिस्ट बनाने के लिए कुछ विशेष टिप्स का पालन किया जा सकता है: शादी में दूल्हा-दुल्हन के साथ-साथ परिवार और दोस्तों की पसंद का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। प्लेलिस्ट में ऐसे गाने शामिल करें जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुखद हो। गाने हमेशा मधुर और मेलोडियस होने चाहिए। इस तरह के गाने न केवल कानों को अच्छा महसूस कराते हैं, बल्कि वे दिलों को भी जोड़ते हैं। शादी के इस खास दिन पर रोमांटिक गाने, जैसे "तुम ही हो", "तुम जो आए" आदि, माहौल को और भी खास बना सकते हैं। गानों का चयन इस तरह करें कि वे शालीनता और गरिमा का प्रतीक हों। शादी एक गंभीर और सम्मानजनक अवसर है, और इस पर कोई भी गाना जो शब्दों में शालीनता को न दिखाए, उसे सूची से हटा दिया जाना चाहिए।

हर रस्म के लिए सही संगीत का चयन करें। जयमाला के लिए रोमांटिक और भावुक गाने, डांस फ्लोर के लिए एनर्जेटिक ट्रैक, और विदाई के समय पर भावनात्मक धुनें इस दिन को और भी यादगार बना सकती हैं। शादी में पारंपरिक भारतीय संगीत, सूफी गाने, और लोकगीत भी एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस तरह के गाने शादी के पारंपरिक और सांस्कृतिक वातावरण को और अधिक जीवंत बना सकते हैं। अगर बजट अनुमति देता है, तो लाइव बैंड या सूफी गायन को शामिल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। लाइव संगीत एक अलग प्रकार की आत्मीयता और जुड़ाव उत्पन्न करता है जो डीजे संगीत से नहीं हो सकता।

शादी सिर्फ एक आयोजन नहीं, एक भावनात्मक यात्रा है

शादी केवल एक उत्सव नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक यात्रा होती है। संगीत, जो हमारे दिलों और दिमागों को जोड़ता है, इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सही संगीत चयन न केवल समारोह की गरिमा और खुशी को बढ़ाता है, बल्कि यह उन रिश्तों की भी पुष्टि करता है जो जीवन भर बनाए जाते हैं। इसलिए, जब आप अपनी शादी के संगीत का चयन करें, तो यह सोचें कि गाने केवल मनोरंजन के लिए नहीं हैं, बल्कि वे एक गहरे अर्थ और संदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। गानों के चयन में शालीनता, भावनाओं का सम्मान और सांस्कृतिक परंपराओं का पालन बहुत महत्वपूर्ण है।

न्यूज फ्लैश

ऑनलाइन ट्रेडिंग के कारण देश में बड़े, मध्यम और छोटे सभी वर्ग के व्यापारियों का व्यापार चौपट : कुच्छल

लोक प्रेरणा

नोएडा। ऑनलाइन ट्रेडिंग के कारण देश में बड़े, मध्यम और छोटे सभी वर्ग के व्यापारियों का व्यापार समाप्त होता जा रहा है। ऑनलाइन ट्रेडिंग करने वाले बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने अपने पैसे के बल पर बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों का माल सस्ते में खरीद लेते हैं, जिसका मुकाबला कोई भी व्यापारी नहीं कर सकता है। उपरोक्त बातें उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा के चेयरमैन नरेश कुच्छल ने एक वक्तव्य में कही है।

उन्होंने बताया की भारतवर्ष में बड़े मध्यम और छोटे वर्ग के व्यापारी 7 करोड़ हैं। उनकी दुकानों में काम करने वाले कर्मचारी भी 7 करोड़ हैं। इस प्रकार कुल 14 करोड़ भारत के व्यापारी और कर्मचारी 70 करोड़ (प्रति परिवार 5 व्यक्ति) लोगों को रोजी-रोटी देने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा, व्यापारी रोजी-रोटी देने के साथ-साथ सरकार को कई लाखों-करोड़ रुपयों का जीएसटी, आयकर, टीडीएस, मंडी शुल्क एवं अन्य कई प्रकार के कर भी देता है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के उत्थान के लिए आनलाइन ट्रेडिंग पर

रोक लगाने की आवश्यकता है। पर, सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

उन्होंने सभी व्यापारियों को आह्वान किया वे भारत में निर्मित स्वदेशी वस्तुओं का ही विक्रय करें और स्वदेशी वस्तुओं को ही खरीदें।

श्री कुच्छल ने " मेक इन इंडिया" मेकिंग जैसी नीतियों का उल्लेख करते हुए व्यापारियों से अपने देश के निर्मित वस्तुओं से व्यापार को बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही यह भी बताया कि व्यापारियों से आयकर जीएसटी जैसी चीजों से सरकार को बहुत बड़ा राजस्व प्राप्त होता है ।

उन्होंने व्यापारियों से निवेदन किया कि वह अपनी विरासत को संभालते हुए विदेशी मानसिकता को बदलने का प्रयास करें और स्वदेशी वस्तुओं को ही अपनाने की कोशिश करें। साथ ही अपने ग्राहकों को अपने देश में निर्मित वस्तुओं को ही स्वीकार करने का अनुरोध करें।

नोएडा की केमिकल कंपनी में लगी भीषण आग, दमकल की 12 गाड़ियां पहुंची घटनास्थल

नोएडा । नोएडा के थाना फेज-1 क्षेत्र के सेक्टर-2 स्थित एक केमिकल कंपनी में शुक्रवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। यह आग शाम पेंट्स इंडस्ट्रीज नामक निजी कंपनी में लगी, जिसमें बड़ी मात्रा में केमिकल और ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया।

घटनास्थल से धुएं का घना गुबार आसमान में साफ तौर पर देखा जा सकता था, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने आसपास के लोगों को आग लगने की जगह से दूर किया है और आसपास बनी फैक्ट्री को भी खाली कराया गया है।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कुल 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जिनमें शुरूआती तौर पर 7 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गईं। इसके साथ ही नोएडा पुलिस की टीमें और थाना फेज-1 का स्थानीय पुलिस बल भी मौके पर मौजूद है।

सुरक्षा के मद्देनजर आसपास की कई कंपनियों और फैक्ट्रियों को तुरंत खाली कराया गया है। फायर ब्रिगेड लगातार आग को नियंत्रित करने की कोशिश में लगी हुई है। हालांकि, अभी तक आग लगने के कारणों का स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले फैक्ट्री के पीछे वाले हिस्से में लगी और देखते ही देखते पूरे परिसर में फैल गई।

अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि कंपनी के अंदर रखे गए केमिकल्स और ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने में समय लग सकता है।

दमकल विभाग की टीमें स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में लाने तक ऑपरेशन जारी रखेंगी।

शादी का झांसा देकर 64 लाख रुपए की ठगी करने वाला व अभियुक्त गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

नोएडा। थाना सेक्टर-58 पर अभियोग पंजीकृत कराया गया कि अभियुक्त नेहुल सुराना के द्वारा मेट्रोमोनियल साइट/सोशल मीडिया के माध्यम से सम्पर्क कर शादी का झांसा देकर वादिया के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रहकर शारीरिक सम्बन्ध बनाये गये तथा वादिया द्वारा शादी करने के लिए कहने पर शादी से मना कर दिया गया एवं वादिया से लगभग 64 लाख रुपए लेकर गायब हो गया।

थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस व गोपनीय सूचना की सहायता से उपरोक्त मुकदमा में वांछित अभियुक्त नेहुल सुराना पुत्र दलीप सुराना को सेक्टर-56, नोएडा के पास से गिरफ्तार किया गया है।

अभियुक्त नेहुल राना ने पूछताछ पर बताया कि वह मेट्रोमोनियल साइट व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रोफाईल बनाकर स्वयं को अनमैरिड या तालाकशुदा बताकर लड़कियो से दोस्ती कर लेता है तथा अपने आपको विभिन्न सरकारी एजेन्सी का एक्स कर्मचारी बताकर शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाकर अपनी तथा अपने परिवार की आर्थिक समस्याओ को बताकर व अच्छे भविष्य के सपने दिखाकर प्रोपर्टी, कीमती वाहन खरीदने को बताकर पीड़िता के बैंक में जमा धनराशि को अपने खाते में ले लेता है। प्राप्त धनराशि को अभियुक्त मौज मस्ती व लग्जरी शौक पूरे करने में खर्च करता है व क्रिप्टो करेंसी/यू0एस0डी0टी0 में उक्त पैसा निवेश करता है।

पूछताछ

1-अभियुक्त, पीड़िता से माह अगस्त 2024 में जीवनसाथी.कॉम के माध्यम से सम्पर्क में आया, जिसमें अभियुक्त द्वारा अगस्त 2024 से मार्च 2025 तक पीड़िता के आईसीआईसीआई बैक से अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 50,30,936 रुपए ट्रांसफर किये।

अभियुक्त द्वारा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंश्योरेन्स से करीब 13,32,907 रुपए, सैलरी सेविंग से करीब 5,40,000 रुपए, हाउस टोकन मनी के 4,30,000 रुपए व 27,28,029 रुपए विभिन्न प्लेफार्म से पर्सनल लोन लेकर पहले पीड़िता के आईसीआईआईसी बैंक के खाते में ट्रांसफर किये गये तथा उसके बाद अपने खातो में ट्रांसफर किये गये है।

2-कोटक बैंक से 6,39,820 रुपए ट्रांसफर किये गये है।

3-म्यूचअल फंड एसआईपी से 8,00,000 रुपए ट्रांसफर किये है।

4-इस तरह अभियुक्त द्वारा पीड़िता को विश्वास में लेकर उसका मोबाइल इस्तेमाल कर कुल 64,70,756 रुपए ट्रांसफर किये गये तथा उसके फोन पर मैसेज व कॉल को ब्लॉक किया गया जिससे पीड़िता को पता न चल पाये।

5-यह फ्रॉड कर अभियुकत 16 मार्च 2025 से पीड़िता को बिना बताये अचानक गायब हो गया था।

6-अभियुक्त द्वारा प्राप्त धन में से लगभग 32 लाख 70 हजार रुपए क्रिप्टो करेंसी/यू0एस0डी0टी0 व अन्य डिजीटल करेंसी व शेयर मार्केट में निवेश किये गये जिनकी जानकारी हेतु साईबर सेल के माध्यम पत्राचार किया गया है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय न करने वालों पर लगाए 5 लाख का जुमार्ना

जनपद में अवैध रूप से भूजल दोहन न हो, इस पर विशेष निगरानी रखे अधिकारीगण : डीएम

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 64 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 33 आवेदनों को स्वीकृत किया जाना है, 05 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 06 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है। शेष 20आवेदन में संबंधित प्राधिकरणों से आख्या प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जनपद में भू-जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू-जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों से कहा कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए एवं सभी से रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय होने की रिपोर्ट प्राप्त की जाए और जिनके द्वारा रिपोर्ट नहीं दी जा रही उनके विरुद्ध 05 लाख रुपए का जुमार्ना लगाने की कार्रवाई अमल में लाई जाए। साथ ही निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनपद में कहीं पर भी अवैध रूप से भूजल का दोहन न हो सके इसके लिए अधिकारीगण विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए भूजल को सुरक्षित रखने हेतु आम जनमानस को जागरूक करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, प्राधिकरण, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य अभियंता, विद्युत नगरीय वितरण मण्डल को उद्यमियों की विद्युत से संबधित समस्याओं से अवगत कराया

लोक प्रेरणा

नोएडा।। एनईए सभागार में मुख्य अभियंता, विद्युत नगरीय वितरण मण्डल नौएडा संजय कुमार जैन, अधीक्षण अभियंता विवेक पटेल, रितेश आनन्द अधीशासी अभियंता नितिन कुमार, मोहित दीक्षित, निशांत नवीन, अमित त्रिपाठी, मोहित गोयल के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

एनईए. अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन तथा वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने श्री संजीव कुमार जैन तथा सभी अधिकारियों को पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया तथा एनईए सभागार में आगमन पर धन्यवाद दिया। साथ ही उद्यमियों की विद्युत से संबधित समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि :-

1- सैक्टर-80, फेस।। तथा हौजरी काम्पलैक्स में विगत कई दिनों से बैंक डाऊन हो रहे हैं जिसके कारण उत्पादन प्रभावित होने से उद्यमियों को आर्थिक नुकसान पहुँच रहा है।

अतः औद्यौगिक क्षेत्रों के अर्न्तगत आने वाले सभी सब स्टेशनों में मूलभूत सुविधाओं और विद्युत लाईनों को दुरूस्त किया जाए ।

2-विभाग द्वारा उद्यमियों से विगत 12 वर्ष पूर्व जमा की गई धनराशि को वर्तमान मे जारी विद्युत बिलों में जोड़ कर भेज दिया जाता है, तथा विद्युत धनराशि की देयताओं का भुगतान किये जाने के साक्ष्य हेतु

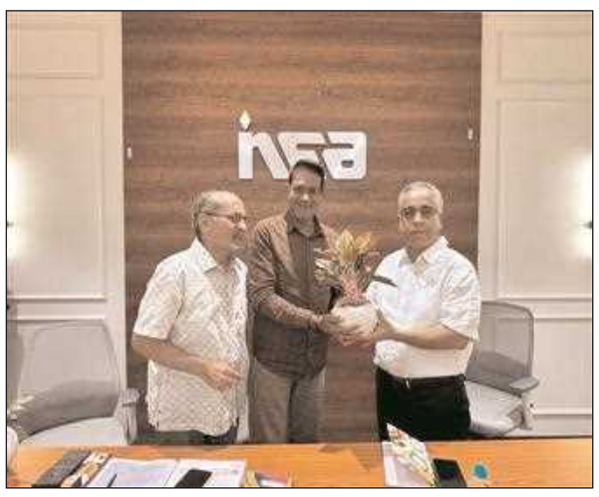

बैंक स्टेट मैट की माँग की जाती है, जिसका उद्यमी को कोई लेना-देना नहीं है। विभाग द्वारा एक माह का विद्युत बिल जमा न करने पर विद्युत विच्छेदन कर दिया जाता है। ऐसे में एक दशक बाद अचानक बकाया राशि को बिलों में जोड़कर भेजने का कोई औचित्य नहीं है।

अतः उद्यमियों को बकाया जोड़कर भेजे गये बिलों को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए ।

3- विद्युत विभाग द्वारा मैसर्स मोन्टाना इम्पैक्स प्रा०लि०, बी-47, सैक्टर-59, नौएडा के विद्युत कनेक्शन को इन्डस्ट्री से कामिर्शियल में कनवर्ड कर दिया गया, तथा उसके ऊपर कामर्शियल रू0 4,60,697.00 का दंड लगाकर नोटिस जारी कर दी। उद्यमी द्वारा आपत्ति दर्ज कराने पर विभाग के अधिकारी ने पुनः जाँच की तथा पाया कि वास्तव में वहाँ पर इन्डस्ट्री ही चल रही है। तत्पश्चात विभाग द्वारा इकाई को अपने रिकार्ड में कामर्शियल से इन्डस्ट्री में कनर्वट कर दिया लेकिन उद्यमी द्वारा विभाग के चक्कर लगाने के बावजूद नोटिस को निरस्त नहीं किया। अतः उद्यमी को भेजे गये नोटिस को निरस्त किया जाए ।

मैसर्स लिपि राहेजा, सी-68, सैक्टर-4 द्वारा दिनांक 17.04.2025 को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु विद्युत विभाग में आवेदन किया था। लेकिन विभाग द्वारा 1 माह बीत जाने के बावजूद अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी नही किया है।

अतः अनापत्ति प्रमाण-पत्र तथा अन्य प्रकरणों में विभाग में समय अवधि निर्धारित की जाए ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

उपरोक्त समस्याओं के सुनने के पश्चात मुख्य अभियंता, संजय कुमार जैन ने कहा कि विद्युत सब स्टेशनों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को दूर कर दिया गया है। उद्यमियों को विगत 10-12 वर्षों की देयताओं के भुगतान हेतु नोटिस नहीं दिये जायेगें । साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शीघ्र ही उद्यमियों को भेजे गये नोटिसों को निरस्त किया जाए तथा जिन उद्यमियों ने अनापत्ति प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन किया है उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाए ।

इस अवसर पर एन०ई०ए० अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन, वरि० उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, राकेश कोहली, सुधीर श्रीवास्तव, आर.एम. जिंदल, मोहन सिंह, कोषाध्यक्ष एस.सी. जैन, सचिव आलोक गुप्ता, राहुल नैयर, राजन खुराना, विरेन्द्र नरूला, सह, कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, सह सचिव जी०के० बंसल के साथ-साथ सुभाष जावा, श्री नवनीत अग्रवाल, सहित भारी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे।

डीएम की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट में सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर के औद्योगिक विकास को नई गति देने तथा उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार मे उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने जिलाधिकारी को उद्यमी बंधुओ के सम्मुख आ रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की शिकायतों का गहन अनुश्रवण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में किया जाए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को यह भी निर्देशित किया कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग उद्यमी मित्रों के माध्यम से कराई जाए और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों में लंबित आवेदनों के शीघ्र समाधान हेतु पत्राचार किया जाए।

बैठक में जलभराव, विद्युत कटौती, कनेक्शन में देरी, ट्रैफिक जाम, टूटी सड़कें, अतिक्रमण, पार्किंग की समस्या, शिविरों में जल निकासी की दिक्कतें तथा ईएसआई अस्पताल निर्माण जैसी समस्याओं को उद्यमियों द्वारा प्रमुखता से उठाया गया। इन सभी विषयों पर जिलाधिकारी ने गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उद्यमियों के सहयोग के बिना औद्योगिक विकास संभव नहीं है, इसलिए उनकी शिकायतों का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए।

डीएम ने यह भी निर्देशित किया कि राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों के लिए चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी तथा लाभ शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक उद्यमी तक पहुँचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने ओएसडी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एन.के. सिंह एवं वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पौधा भेंट कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर प्राधिकरण, श्रम, सिंचाई, पुलिस विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी तथा उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इकोविलेज-1 में मेंटेनेंस स्टाफ की गुंडागर्दी, रेजिडेंट्स के साथ की मारपीट, चार आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा : इकोविलेज-1 में मेंटेनेंस स्टाफ की गुंडागर्दी, रेजिडेंट्स के साथ की मारपीट, चार आरोपी गिरफ्तारग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज 1 हाउसिंग सोसायटी में एक बार फिर हंगामा और मारपीट का वीडियो सामने आया है। यह मारपीट मेंटेनेंस स्टाफ और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने वहां रहने वाले रेजिडेंट के साथ की है। डंडों और लात घूंसों से सोसायटी के निवासियों को मारा गया। इसके बाद पुलिस शिकायत हुई और पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सुपरटेक इकोविलेज-1 हाउसिंग सोसाइटी में गुरुवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ स्थानीय निवासी खराब लाइट और सुविधाओं को लेकर मेंटेनेंस ऑफिस में शिकायत करने पहुंचे। लेकिन शिकायत सुनने की बजाय, मेंटेनेंस एजेंसी 'ग्रेविटी' के स्टाफ ने रेजिडेंट्स के साथ खुलेआम बदसलूकी और मारपीट शुरू कर दी। घटना थाना

बिसरख क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि मेंटेनेंस स्टाफ ने रेजिडेंट्स को गालियां दीं और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। लोगों ने इसका विरोध किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना बिसरख की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए मेंटेनेंस स्टाफ कर्मियों में रविन्द्र (निवासी सेक्टर-3, बी ब्लॉक, बिसरख), सोहित (निवासी ग्राम दुजाना, बादलपुर), सचिन कुन्तल (निवासी मथुरा, वर्तमान पता अवध अपार्टमेंट, बरौला, सेक्टर-49, नोएडा) और विपिन कसाना (निवासी ग्राम नगला सैंथली, थाना जारचा) शामिल हैं। सभी की उम्र 27 से 33 वर्ष के बीच है। इस घटना से सोसायटी के निवासियों में रोष है। उनका कहना है कि ग्रेविटी मेंटेनेंस एजेंसी लगातार लापरवाही बरत रही थी और जब लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने गुंडागर्दी पर उतरकर मारपीट शुरू कर दी। स्थानीय निवासियों ने एजेंसी को हटाने और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डेटिंग ऐप से दोस्ती, फिर मारपीट कर लूटपाट करने वाले छह गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा : डेटिंग ऐप से दोस्ती, फिर मारपीट कर लूटपाट करने वाले छह गिरफ्तारग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के थाना सूरजपुर पुलिस ने 'ग्राइंडर गे डेटिंग ऐप' के माध्यम से लोगों से दोस्ती और मारपीट कर लूटपाट करने और यूपीआई के माध्यम से पैसा ट्रांसफर करवाने वाले छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल कार, लूटे गए 19,500 रुपए नकद और अवैध हथियार बरामद किए हैं।

पुलिस ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के साथ मिलकर कार्रवाई करते हुए 'ग्राइंडर गे डेटिंग ऐप' के माध्यम से लोगों से दोस्ती कर उनके साथ मारपीट और लूटपाट करने तथा यूपीआई के माध्यम से पैसा ट्रांसफर करवाने वाले छह आरोपियों विशाल, शिवम, यश, मोहित सिंह सोलंकी, अमन और सूरज को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो .315 बोर के तमंचे, .315 बोर की दो जिंदा कारतूस, घटना में इस्तेमाल बिना नम्बर प्लेट की एक कार, घटना में इस्तेमाल एक मोबाइल

फोन और दो चाकू बरामद हुए हैं। पुलिस अनुसार, ये शातिर किस्म के अपराधी हैं, जो 'ग्राइंडर गे डेटिंग ऐप' के माध्यम से लोगों से दोस्ती कर उनको विश्वास में लेकर उन्हें मिलने के लिए बुलाते थे तथा उनके साथ मारपीट कर पैसे और मोबाइल फोन आदि छीनकर यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कर लेते थे। फिर उस व्यक्ति को डरा धमकाकर भगा देते थे।

आरोपी अमन और सूरज ट्रांसफर किए गए पैसों को कमीशन लेकर वापस करते थे। इस आरोपियों ने एक पीड़ित से 'ग्राइंडर गे डेटिंग ऐप' के माध्यम से दोस्ती की थी और 19 जून को उसे मिलने के लिए रुपबास तिराहे पर बुलाया था। इसके बाद कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट कर उससे उसका मोबाइल फोन छीनकर यूपीआई के माध्यम से रुपए ट्रांसफर कर लिए थे और उसका मोबाइल फोन रास्ते में फेंक दिया था।

पीड़ित ने इस घटना के संबंध में थाना सूरजपुर में मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद इन आरोपियों ने 25 जून को भी एक पीड़ित को मिलने के लिए मिग्सन ग्रीन सोसायटी के बाहर बुलाकर उसे कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट करते हुए उससे उसका मोबाइल फोन छीनकर जबरदस्ती रुपए ट्रांसफर करा लिए थे।

1 नवंबर से 15 साल पुराने पेट्रोल एवं 10 साल पुराने डीजल वाहन को नहीं मिलेगा ईंधन

गौतम बुद्ध नगर के 2 लाख 8 हजार वाहनों पर लागू होगा यह आदेश

लोक प्रेरणा

नोएडा। ए आरटीओ डॉक्टर उदित नारायण पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ हवा को बढ़ावा देने के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, जिसके तहत आगामी 01 नवंबर 2025 से गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल पुराने डीजल वाहनों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन प्रदान नहीं किया जाएगा। यह नियम गौतमबुद्ध नगर में पंजीकृत 2 लाख 8 हजार वाहनों पर लागू होगा।

सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), गौतमबुद्ध नगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा, "यह कदम हमारी हवा को स्वच्छ और जीवन को स्वस्थ बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। पुराने वाहन अधिक प्रदूषण फैलाते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक है। स्वच्छ हवा हम सबका अधिकार है। उन्होंने बताया कि "पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाए जाएंगे, जो पुराने वाहनों की स्वचालित पहचान करेंगे। एआरटीओ गौतमबुद्ध नगर द्वारा वाहन स्वामियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं।

एआरटीओ ने बताया कि आगामी 01 नवंबर 2025 से ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ विभाग इस नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। पुराने वाहनों से होने वाला प्रदूषण हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। यह आदेश वायु प्रदूषण को कम करने और गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

"स्वच्छ हवा, स्वस्थ जीवन"

"स्वस्थ जीवन की शुरूआत, स्वच्छ हवा के साथ!"

एआरटीओ ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि यदि उनका वाहन 15 साल पुराना पेट्रोल या 10 साल पुराना डीजल वाहन है, तो उसे स्क्रैप करें या वैकल्पिक व्यवस्था अपनाएं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे मेट्रो और बस का उपयोग करें।

कारपूलिंग को बढ़ावा दें, ताकि सड़कों पर वाहनों की संख्या कम हो।

एआरटीओ ने आमजन से सहयोग हेतु अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें। 01 नवंबर 2025 से नियमों का पालन करें, जुमार्ने से बचें और गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद को प्रदूषण मुक्त बनाने में योगदान दें।

इस आदेश के तहत पेट्रोल पंप पर दिल्ली की तर्ज पर ही एनपीआर कैमरे स्थापित किए जाने हेतु सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गौतम बुद्ध नगर डॉक्टर उदित नारायण को गौतम बुद्ध नगर के लिए समिति का सदस्य नामित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने की गाजियाबाद नगर निगम की सरहाना, महापौर नगर आयुक्त सहित शहर हुआ गौरवान्वित

स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड से विद्यार्थियों में स्वच्छता और पर्यावरण जिम्मेदारी को लेकर बढ़ी 5% जागरूकता

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । जनपद में मुख्यमंत्री का आगमन तथा आयोजित कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा, गाजियाबाद नगर निगम की अहम भूमिका भी रही, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कार्यक्रमों के क्रम में समीक्षा बैठक भी की जिसमें गाजियाबाद नगर निगम का नाम विश्व में भी अहम स्थान प्राप्त कर रहा है मुख्यमंत्री द्वारा प्रशंसा की गई साथ ही स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड की इंपैक्ट एनालिसिस रिपोर्ट का अनावरण भी किया गया, गाजियाबाद नगर निगम के द्वारा स्वच्छता पर किए जा रहे विशेष महत्वपूर्ण कार्यों की भी मुख्यमंत्री द्वारा प्रशंसा की गई जो की गाजियाबाद शहर के लिए गर्व का विषय है महापौर तथा नगर आयुक्त भी गौरांवित हुए।स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड के क्रम में सुनियोजित पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा दिया गया जिसके क्रम में 100 स्कूलों में स्वच्छता की पाठशाला लगाई गई प्री एग्जाम के बाद गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पोस्ट एग्जाम भी विद्यार्थियों का लिया गया जिसमें प्री तथा पोस्ट एग्जाम के मध्य एक विशेष अंतर विद्यार्थियों में स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति पांच प्रतिशत की जागरूकता वृद्धि को दशार्ता है जो की सराहनीय है, स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड अभियान के उपरांत गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सर्वे किया तथा इंपैक्ट एनालिसिस रिपोर्ट को भी तैयार किया गया जिसका अनावरण

मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम के माध्यम से स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड अभियान चलाया गया जिसमें पाया गया कि ट्रिपल आर मुहिम में छात्राओं का अधिक रुझान है छात्रों को भी ट्रिपल आर के लिए मोटिवेट किया जा रहा है, रिपोर्ट के अनुसार कक्षा 7 और 8 के विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति अधिक जागरूकता दिखाई दी साथ ही शिक्षकों में भी स्वच्छता की पाठशाला को अनिवार्य रूप से स्कूल एजुकेशन में शामिल करने के लिए अपनी रुचि दिखाई इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गए अनावरण पर शहर में उत्साह है, महापौर द्वारा शहर वासियों तथा निगम अधिकारियों को शुभकामनाएं दी गइ।

स्वच्छ मोहल्ला स्क्वायड के इंपैक्ट एनालिसिस रिपोर्ट के अनावरण पर महापौर सहित गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग तथा समस्त विधायक गण, उपस्थित रहे मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुनील शर्मा तथा नरेंद्र कश्यप द्वारा भी गाजियाबाद नगर निगम को बधाई दी गई, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की योजना लगातार सफल होती दिखाई दे रही है जिसके क्रम में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा माननीय मुख्यमंत्री तथा अतिथियों के आगमन व्यवस्थाओं में विशेष भूमिका निभाई, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा स्वच्छता की पाठशाला हर विद्यार्थी के लिए अनिवार्य हो तथा स्कूल एजुकेशन में स्वच्छता की पाठशाला को शामिल करने के लिए अपील की गई, गाजियाबाद नगर निगम स्वच्छता की बात को विश्व स्तर तक भी पहुंचा रहा है जिसकी प्रशंसा मुख्यमंत्री द्वारा की गई। नगर आयुक्त द्वारा सभी गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों तथा टीम को शुभकामनाएं देते हुए मोटिवेट किया गया।

न्यूज फ्लैश

भाजपा युवा मोर्चा का आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मॉक पार्लियामेंट सचिन डेढ़ा के नेतृत्व में संपन्न

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी पूरे देश भर में आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय के रूप में मना रही है. इसी क्रम में आज भाजपा युवा मोर्चा की ओर से मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें पक्ष-विपक्ष के लोगों ने अपनी बातों को साझा किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी बृज बहादुर पाठक एवं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल रहे ककार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने किया क मॉक पार्लियामेंट की सभापति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा अभिनव प्रकाश बने क इस कार्यक्रम के दौरान सत्ता पक्ष ने बताया कि आपातकाल के समय देश की स्थिति क्या थी. वहीं, विपक्ष में आपातकाल क्यों लगाया गया, इस पर प्रकाश डाला. इस कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिम उत्तर प्रदेश के 10 जिलों ने सहभागिता एवं 80 से ज्यादा कार्यकताओं की प्रतिभागिता रही । भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकताओं में मॉक पार्लियामेंट को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला. कार्यकताओं ने कहा कि एक दिन का काल्पनिक सांसद बनने का मौका मिला. उन्होंने बताया कि इसके जरिए बहुत कुछ सीखने का मौका मिला. पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेश पर इसका आयोजन किया गया क

31 रन की जीत के साथ डीएस क्रिकेट अकैडमी ने गंगाराम मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद ।दूसरे गंगाराम मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल शुक्रवार को डीएस क्रिकेट अकैडमी व अम्बिका अम्सटर्डम क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया जिसमें डीएस क्रिकेट अकैडमी ने बाजी मारी। 31 रन की जीत के साथ टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। जीएमएस क्रिकेट ग्राउंड राजनगर एक्सटेंशन पर शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में टॉस अम्बिका अम्सटर्डम क्रिकेट अकैडमी ने जीता और डीएस क्रिकेट अकैडमी को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। डीएस क्रिकेट अकैडमी ने निर्धारित 40 ओवर में 8 विकेट पर 216 रन का स्कोर बनाया। विकास चौहान ने 37 गेंद पर 13 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली। दक्ष यादव ने 41 व नक्श तोमर ने नाबाद 34 रन बनाए। शिवम ने 8 ओवर में 3 मेडन रख 19 रन देकर 4 विकेट लिए। 217 रन के लक्ष्य के जवाब में अम्बिका अम्सटर्डम क्रिकेट अकैडमी के कप्तान अभय तोमर ने 67 गेंद पर 7 चौकों व 4 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके बावजूद टीम 37 ओवर में 185 रन बनाकर आउट हो गई। हर्ष कुमार ने 44 रन का योगदान दिया। यथार्थ शर्मा ने 7 ओवर में 1 मेडन रखते हुए 21 रन देकर 4 विकेट लिए। विकास चौहान को 2 विकेट मिले। 61 रन की पारी खेलने व 2 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विकास चौहान को दिया गया।

यूपी में अब चार घंटे में होगा पोस्टमार्टम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने जनता के हित में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर पोस्टमार्टम की नई गाइडलाइंस जारी की गयी है।

जनपद स्तरीय बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में जनपद स्तरीय बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में आहूत हुई।

बैठक में श्रम विभाग की ओर से उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्र द्वारा की गयी विभाग की कार्यवाही एवं प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि विगत वित्तीय वर्ष में कुल 285 जिनमें 36 खतरनाक श्रेणी के 249 गैर खतरनाक प्रक्रिया में चिन्हांकन किये गये। निरीक्षणों में खतरनाक प्रक्रिया में 67 बाल श्रमिक एवं गैर खतरनाक में 256 किशोर श्रमिकों के चिन्हाकंन किये गये। यह कार्यवाही एण्टी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से की गयी। यह भी अवगत कराया गया कि खतरनाक श्रेणी के बच्चों को चिन्हित करने के बाद उनके रेस्क्यू कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के समक्ष आयु परीक्षण के लिए एवं बाल कल्याण समिति के समक्ष उन बच्चों को उनके अभिभावकों को सौंपने के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया जाता है। प्रचार–प्रसार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र यथा श्रीराम पिस्टम लि0, मेरठ रोड, बुलन्दशहर रोड़ इण्डस्ट्रीयल एरिया व आई0आई0ए0 के सहयोग से समय-समय पर गोष्ठी की जाती रही एवं प्रचार वाहन को बाल श्रम सम्भावित क्षेत्रों में घुमाकर व्यापक प्रचार-प्रचार किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने शैक्षिक पुनर्वासन के सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि श्रम विभाग द्वारा बाल श्रमिकों की भेजी गयी सूची पर प्राथमिकता पर बच्चों के एडमिशन कराना सुनिश्चित करें एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये कि वे बच्चों के आयु परीक्षण कराने हेतु एक नोडल अधिकारी को नामित करते हुए श्रम विभाग के साथ आवश्यक समन्वय व सहयोग कराना सुनिश्चित किया जायें।

इटावा प्रकरण घृणित अपराध : सिकंदर यादव

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। इटावा में कथावाचक के साथ हुई घटना ने पूरे देश को हिला दिया है, समझ में नहीं आता कि आखिर हम एक सभ्य समाज में संवैधानिक अधिकारों के साथ जी रहे हैं या वर्णवादी, मनुस्मृति के अनुसार, इस घटना को देखकर लगता है कि भारत में संविधान की जगह मनुविधान का शासन है, जिस प्रकार का दुस्साहस इन लोगों ने कथावाचकों के साथ किया है ऐसा तो तालिबान के राज में भी नहीं होता।यूं तो हमारे देश में प्रतिदिन दलित उत्पीड़न की खबरें आती रहती हैं परंतु इस बार तो इन लोगों ने सीमा ही लग दी, क्या कोई सभ्य समाज इस बात को स्वीकार करेगा कि किसी व्यक्ति के "बाल मूड" कर उसे किसी स्त्री के मूत्र से पवित्र किया जाए, क्योंकि वो ब्राह्मण नहीं है, आखिर ये कौन-सा विधान है जो ब्राह्मणों को ये अधिकार देता है की कथा कौन करेगा कौन नहीं।

भारत के संविधान में तो सबको समान अधिकार दिया गया है. ये जरूर है कि हजारों सालों से भारत के एक वर्ग द्वारा मनुस्मृति को आधार मानकर जाति व वर्ण के नाम पर शोषण करने का प्रयास होता रहा है. इसी वजह से बाबा साहेब ने मनुस्मृति का दहन किया था. परंतु आज वो कौन सी शक्ति है जो इन लोगों को वो बल दे रही है कि ये इस विधान को लागू करने की हिम्मत कर रहे हैं. इन लोगों को समझाना पड़ेगा कि देश संविधान से चलेगा ना कि मनु के विधान से. ये वही लोग हैं जो दलितों को घोड़ी नहीं चढ़ने देते, बाबा साहेब की यात्रा नहीं निकलने देते ओर तो ओर उन्हें मूंछ भी नहीं रखने देते। एक शंकराचार्य कहते हैं की कथा कहने का अधिकार सिर्फ ब्राह्मणों को है, उनसे कोई पूछे क्या ये संविधान में कहीं लिखा है. भारत का हर नागरिक अपना पेशा चुनने के लिए स्वतंत्र है, इन शंकराचार्य के साथ यदि कोई घटना घट जाए तो ये कानून के पास जाते हैं, जब इन्हें मनु का विधान याद नहीं आता. उत्तर प्रदेश में यादव की संख्या सबसे ज्यादा है उन्हें ये निर्णय लेना चाहिए कि उन्ही के कुल देवता की कथा कहने से उन्हें कौन रोक सकता है. यादव समाज को इकट्ठा होकर इन धर्म के ठेकेदारों के सभी कर्मकांडों का बहिष्कार करना चाहिए।यादवों के कुल देवता श्री कृष्ण के सभी मंदिरों पर इनका एकाधिकार क्यों है, हमारे देवता के नाम पर चढ़ना खाएंगे और हमसे ही घृणा करेंगे। समस्त यादव समाज को चाहिए कि वो ऐसे किसी आयोजन में ना चंदा ना इनसे कर्मकांड कराये, जो लोग इस प्रकार की सोच रखते हैं. और जो भी श्री कृष्ण के मंदिर है,वहां से इन लोगों को हटाने का आंदोलन किया जाए, तब इन लोगों को पता चलेगा कि भेदभाव क्या होता है. इस घटना पर भारत सरकार को भी संज्ञान लेना चाहिए कि आखिर इन लोगों की हिम्मत कैसे हो रही है. उत्तर प्रदेश में इस प्रकार का जातीय विभेद करके एक समाज को अपमानित किया जा रहा है अन्यथा ये एक बड़े आंदोलन में बदल जाएगा।

कानून व्यवस्था की भी मण्डलायुक्त व पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की गई समीक्षा

लोक प्रेरणा

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी व पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह ने आज आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डल के तीनो जनपदो के अधिकारियों के साथ बैठक कर मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अनुश्रवण में प्राप्त रैंक/श्रेणीवार विकासपरक योजनाओ एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन, भदोही शैलेश कुमार, सोनभद्र बी0एन0 सिंह, मुख्य वन संरक्षण मनीष मित्तल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा, सोनभद्र अशोक मीणा, भदोही अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र जागृति अवस्थी सहित संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर आयुक्त प्रशासन डॉ विश्राम सहित सभी मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त ने आगामी त्यौहारो यथा-कावण, मोहर्रम व अन्य त्यौहारो के दृष्टिगत सुरक्षा एवं चैकसी बरतने के निर्देश दिए गए। मण्डलायुक्त ने कहा कि त्यौहारो पर किसी प्रकार से जन मानस को परेशानी न होने पाए। कावण यात्रा के मार्गो को चिन्हित करते हुए सड़को की मरम्मत, साफ सफाई, सड़को के किनारे झाड़ियों की कटाई, छटाई सभी उचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित करा ली जाए।

उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को इस तरह सदृढ़ व सुगम बनाया जाए कावणियों केस साथ ही साथ यातायात व्यवस्था भी बाधित न होने पाए। उन्होंने कहा कि कावणियों के जहां से जल लिया जाता है पर्याप्त मात्रा में उन घाटो पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोर की भी व्यवस्था किया जाए। उन्होंने कहा कि कावण यात्रा मार्गो पर बीच-बीच में सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस कर्मी की तैनाती करते हुए ह्यह्यकावण यात्रा मार्गह्ल से सम्बन्धित बोर्ड भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि इस बात की भी निगरानी की जाए कि किसी के द्वारा कही भड़काऊ नारे भाषण आदि न किया जाए, सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाए। समीक्षा के दौरान गुण्डा एक्ट, महिला उत्पीड़न एवं उस पर की गई कार्यवाही, गैंगेस्टर, दर्ज एफ0आई0आर0 के सापेक्ष की गई कार्यवाही, भू माफिया, जिला बदर, गवाहो की उपस्थिति सहित सभी बिन्दुओ पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अनुश्रवण के तहत विकास कार्यो के प्रगति व श्रेणीवार समीक्षा की गई, समीक्षा के दौरान मण्डल के तीनो जनपदो के 49 मदो योजनाओ में ए श्रेणी प्राप्त हुई हैं। जिन मदो योजनाओ में ए श्रेणी प्राप्त है उनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट ए, सोलर स्ट्रीट लाइट

बी0के0एस0 ग्राम उन्नति योजना ए, पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरिगेशन ए, खराब ट्रांसफार्मर की शिकायतें ए, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण ए, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे शहरी ए, विद्युत बिल में सुधार हेतु आवेदन ए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ए, पीएम कुसुम ए, बीज डीबीटी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ए, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण ए, मनरेगा ए, एंबुलेंस 102 ए, एंबुलेंस 108 ए, बायोमेडिकल उपकरण रखरखाव कार्यक्रम ए, दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति ए, सहकारी दुग्ध समितियां ए, दिव्यांग पेंशन ए, दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग ए, फैमिली आईडी ए, एस0बी0ए0एम0 फेज-2, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण ए, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 ए, सामाजिक वनीकरण ए, आपरेशन कायाकल्प ए, पीएम पोषण विद्यालय निरीक्षक ए, अंडा उत्पादन ए, निराश्रित गोवंश का संरक्षण ए, पशु टीकाकरण ए, पशुओं में कृत्रिम गभार्धान ए, संरक्षित निराश्रित गोवंश की सुपुर्दगी ए, शादी अनुदान योजना ए, मत्स्य उत्पादन ए, निराश्रित महिला पेंशन का आधार सीडिंग ए, पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन ए, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ए, प्रोजेक्ट अलंकार ए, सेतु का निर्माण ए, नई सड़कों का निर्माण ए, सड़कों का अनुरक्षण ए, कन्या विवाह सहायता योजना ए, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना ए, ओडीओपी वित्त पोषण योजना ए, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना ए, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना ए, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना ए, वृद्धावस्था पेंशन का आधार सीडिंग ए, जिला सहकारी बैंक अल्पकालिक ऋण वितरण एवं वसूली ए श्रेणी प्राप्त हैं। मण्डलायुक्त ने कहा कि जिन विभाग का श्रेणी बी0 अथवा सी है वे कार्य योजना बनाकर प्रगति लाए तथा ए श्रेणी वाले ए प्लस में लाने हेतु प्रयास करे ताकि मण्डल का प्रदेश में अच्छा स्थान प्राप्त हों सकें। सोलर स्ट्रीट लाइट एवं पीएम सूर्यघर में जनपद भदोही व मीरजापुर को अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया। मण्डलायुक्त ने नई सड़को का निर्माण व सड़को का अनुरक्षण व मरम्मत में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए जांच कराने पर गुणवत्ता खराब पाई जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने गौवंश सहभागिता योजना में कहा कि कुपोषण से ग्रसित बच्चों के परिवारो को गौशालाओ में दूध देने वाली गायों को देकर योजना से लाभान्वित किया जाए। कन्या विवाह सहायता योजना एवं पारिवारिक लाभ योजना, अस्वीकृत प्रार्थना पत्रो का जिलाधिकारी अपने स्तर से पुनः समीक्षा कर ले ताकि अधिक से अधिक से लोगो को लाभान्वित किया जा सकें। ओ0डी0ओ0पी0 योजना में चयनित लाभार्थियों को टूल किट मा0 जनप्रतिनिधियों उपस्थिति में वितरण कराने का निर्देश दिया प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक दुघर्टना बीमा, वृद्धावस्था पेंशन, पी0एम0 मत्स्य सम्पदा, प्रोजेक्ट अलंकार, कम्पोजिट विद्यालयों का निर्माण, विद्यालयों का निरीक्षण, अध्यापको की उपस्थिति, गौशालाओ में भूषा संग्रहण, दान एवं क्रय अभियान, राष्ट्रीयकृत बागवानी, विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मरो का समय मरम्मत, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण व शहरी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, पंचायती राज, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, वृक्षारोपण, महिला एवं बाल विकास, श्रम एवं सेवायोजन, सिंचाई एवं जल संशाधन सहित सभी योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा कर प्रगति लाने का निर्देश दिया गया।

भारत रत्न मालवीय प्रतिमा पर चढ़े युवक की वीडियो वायरल

सवाल पूछने वाले पत्रकार साथियों पर मुकदमा होना निंदनीय : अजय राय

लोक प्रेरणा

लखनऊ। भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर चढ़े युवक की वीडियो वायरल होने पर सवाल पूछने वाले छह पत्रकार साथियों पर लंका थाने में मुकदमा लिखा गया। जिनमें अरशद, अभिषेक झा, अभिषेक त्रिपाठी, सोनू सिंह, शैलेश, नितिन कुमार राय के नाम हैं। काशी में सवाल पूछने वाले पत्रकारों पर मुकदमा निंदनीय विषय है।

उक्त प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय जी-पूर्व मंत्री ने कहा कि भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय जी प्रतिमा पर चढ़े युवक की वीडियो वायरल होने पर सवाल पूछने वाले पत्रकार साथियों पर मुकदमा होना निंदनीय है। भाजपा सरकार का नियम देखिए की दोषी पर कार्यवाही नहीं होगी पर सवाल पूछने वाला पहले दोषी होगा। पत्रकारों की कलम, समाज की आवाज और शक्ति का प्रतीक है। यह कलम, सच्चाई और न्याय के लिए एक हथियार है, जो जनता को जागरूक करने और सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिनका काम है आईना दिखाना पर इस सरकार में आईना दिखाना गुनाह है । क्योंकि इस सरकार के चेहरे पर इतने कालिख है की आईना इस सरकार को नहीं पसंद है।

श्री राय ने कहा कि बड़े से लेकर छोटे पत्रकार तक हर कलम का सिपाही जो निष्पक्ष पत्रकारिता का पक्ष रखता है उसे यह सरकार अपना दुश्मन मानती है आखिर काशी के इन छह पत्रकारों की क्या गलती है वीडियो वायरल में मालवीय जी के मूर्ति कर युवक चढ़ा है जिस पर सवाल पत्रकारों ने किया परंतु सरकार अपने नियमावली के अनुसार इस बार भी दोषियों को छोड़ सवाल पूछने वाले पर मुकदमा कर दिया।हम पत्रकार साथियों संग खड़े है आपने सवाल पूछा है और आपका अधिकार है सवाल करने का इसे कोई नहीं छीन सकता है।और इस सरकार की तानाशाही का अंत होगा निश्चित होगा कलमकारों का अपमान उनके ऊपर मुकदमा कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। जब भी देश संघर्ष के दौर से गुजरा, उस समय पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। इससे तय है कि आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक लोकतंत्र की रक्षा के लिए भी पत्रकारों की महती भूमिका रही है और है ऐसे में पत्रकारों के सवाल पर मुकदमा करना इस सरकार के कायरता का परिचय है।

श्री राय ने कहा कि हम मांग करते हैं की दोषियों पर कार्यवाही सुनिश्चित हो, प्रशासन अपनी जवाबदेही तय करे और पत्रकार साथियों पर फर्जी मुकदमा वापिस हो। कांग्रेस पार्टी पत्रकारों के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ी है।

लखनपुर गांव में डायरिया का प्रकोप 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत, 40 लोग प्रभावित, 20 जिला अस्पताल में भर्ती

लोक प्रेरणा

चील्ह, मिर्जापुर। चील्ह थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में डायरिया के प्रकोप ने भयावह रूप ले लिया है। इस बीमारी की चपेट में आकर एक 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि लगभग 40 लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए करीब 20 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभारी चिकित्साधिकारी धीरज जायसवाल अपनी मेडिकल टीम के साथ लखनपुर गांव पहुंचे और प्रभावित लोगों का उपचार शुरू किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में स्थिति को नियंत्रित करने और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, और स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से साफ-सफाई रखने और उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी है। जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग से बीमारी के कारणों की जांच और प्रभावित लोगों के लिए समुचित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज मे गाजियाबाद नगर निगम को मिला स्थान

विश्व के 630 नगर निकायों में से टॉप 50 मे शामिल हुआ गाजियाबाद, नगर निगम की बड़ी उपलब्धि- नगर आयुक्त

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम लगातार उत्तर प्रदेश या भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में भी अपनी एक अलग पहचान बनाता जा रहा है इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम के सुझावों को ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज में शामिल किया गया है, जो कि शहर के लिए बहुत ही उत्साह का विषय है गाजियाबाद नगर निगम विश्व के 50 सर्वश्रेष्ठ नगर निकायों में शामिल किया गया है जिनके द्वारा जन हित में अपने-अपने सुझाव चैलेंज के माध्यम से दिए गए थे, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम टीम की सरहाना की गई तथा निगम अधिकारियों को बेहतर प्लानिंग के लिए भी उत्साहवर्धन किया गया।महापौर द्वारा बताया गया कि ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज मे गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भी प्रतिभाग किया गया अधिकारियों की मेहनत रंग लाई तथा टॉप 50 नगर निकायों में गाजियाबाद नगर निगम का भी स्थान रहा, यह उपलब्धि

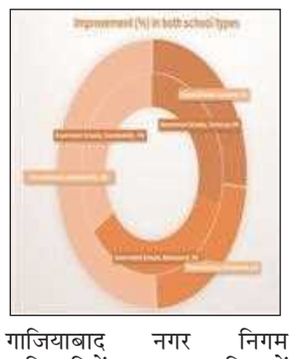

गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों द्वारा शहर हित में हासिल की गई है। नगर निगम द्वारा एस एच जी महिलाओ के समूह के माध्यम से गोबर से पेंट बनाने की प्रणाली तथा हाई राइज सोसाइटियों से निकलने वाले कचरे से खाद बनाने की प्रणाली तथा प्रतियोगिता में रखा गया, जिसकी प्रशंसा विश्व स्तर पर हुई तथा टॉप 50 नगर निकाय में गाजियाबाद को भी शामिल किया गया जो की सराहनीय है। गाजियाबाद नगर निगम नालियों में बहने वाले गोबर को रोक कर शहर से निकलने वाले गोबर का इस्तेमाल पेंट बनाने में करेगा जिसको शहर की बिल्डिंग की छत पर इस्तेमाल में लिया जाएगा, जिसके द्वारा वातावरण का बढ़ता तापमान लगभग 5 से 6 डिग्री स्वत ही काम रहेगा, तथा शहर वासियों को इसका लाभ मिलेगा इसी प्रकार दूसरी प्रणाली जिससे हाई राइज समिति से निकलने वाले कचरे का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जाएगा जिससे मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होगा फलस्वरूप शहर को ग्रीन लंगस गाजियाबाद बनाया जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर हित में कार्य कर रहा है इसी क्रम में विश्व स्तर पर भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा अपनी प्लानिंग को साझा किया गया तथा कंपटीशन में प्रतिभाग करते हुए अपना मुकाम हासिल किया 2021 में उड़ीसा के रोड कैला निगम को यह मुकाम मिला था आज गाजियाबाद नगर निगम को भी यह मुकाम मिला है जो कि हर्ष का विषय है गाजियाबाद नगर निगम अपनी प्लानिंग को बेहतर तरीके से विश्व स्तर पर निभाएगा, इस उपलब्धि में जनप्रतिनिधियों माननीय पार्षदों तथा क्षेत्रीय निवासियों की भी अहम भूमिका तथा सहयोग मिला है जो की प्रशंसनीय है नगर आयुक्त द्वारा बड़ी उपलब्धि पर अपनी टीम का उत्साहवर्धन किया गया।

'कानून का राज है, कोई गलत करेगा तो कार्रवाई होगी', इटावा हिंसा पर बोले ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने इटावा में कथावाचक के साथ हुए अमर्यादित व्यवहार पर कड़ा रुख अपनाते हुए शुक्रवार को कहा कि कानून का राज है और जो भी गलत करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

बातचीत में राजभर ने इटावा के बकेवर थाना क्षेत्र में कथावाचक मुकुट मणि यादव के साथ हुई बदसलूकी और 26 जून को हुए पथराव और पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं की निंदा की। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह जातीय तनाव को बढ़ावा दे रहे हैं।

इटावा के दादरपुर गांव में 21 जून को कथावाचक मुकुट मणि यादव और उनके सहयोगी संत कुमार यादव के साथ बदसलूकी और मारपीट की घटना हुई थी। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने कथावाचक का सिर मुंडवाकर

उनका अपमान किया और उन पर "गांव को अपवित्र" करने का आरोप लगाया। इस घटना के बाद 26 जून को 'अहीर रेजिमेंट' और अन्य ने गांव में प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव हुआ, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। प्रदर्शनकारियों ने आगरा-कानपुर नेशनल हाई-वे जाम कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग की और कई उपद्रवियों को गिरफ्तार किया।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा, "हम ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा करते हैं। चाहे वह कथावाचक के साथ हुई बदसलूकी हो या फिर 26 जून की पत्थरबाजी और पुलिस वाहनों को तोड़ने की घटना। कानून का राज है और संविधान के तहत सरकार चल रही है। कोई भी कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता।"

उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन को इस तरह की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों के पथराव और पुलिस के साथ अभद्रता को गलत ठहराते हुए कहा, "पुलिस की गाड़ियां तोड़ना, पत्थरबाजी करना अन्याय है।

उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत : सीएम योगी

लखनऊ । 'विश्व एमएसएमई दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली-मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपए की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया। 2017 से पहले का यूपी दंगों के रूप में, माफिया गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारी के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों की उपलब्धि जातीय संघर्ष कराकर परिवारवाद के नाम पर 'एक जनपद, एक माफिया' देने की रही है। इसके चलते जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

उन्होंने कहा कि यूपी ने 24 जनवरी 2018 में पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। 1950 में यूपी की स्थापना होने के बाद से लेकर 2018 तक कभी प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन नहीं हुआ, क्योंकि पिछली सरकारों को जातीय संघर्ष कराने और इसके आधार पर प्रदेश को पहचान का संकट खड़ा करने से फुर्सत ही नहीं थी। वे सब अपने परिवार के लिए कार्य कर रहे थे, प्रदेश से उनका कोई मतलब नहीं था।

मुख्यमंत्री योगी ने 'यूथ अड्डा' का लोकार्पण किया, जिसे यूपीकॉन द्वारा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह मंच सभी जातियों और समुदायों के युवाओं को अपने व्यवसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण सहायता प्राप्त करने और अनुभवी मेंटर्स से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती। हर युवा की प्रतिभा को मंच देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

सीएम युवा मोबाइल ऐप के शुभारंभ के साथ, सरकार ने युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। यह ऐप सुनिश्चित करेगा कि कोई भी युवा सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर न हो।

मुख्यमंत्री ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत बरेली और मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपए की लागत से कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर (सीएफसी) परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

सीएम योगी ने कहा कि आज ओडीओपी के माध्यम से हर जनपद की विशिष्टता को वैश्विक मंच मिल रहा है। इस योजना ने सभी जातियों के कारीगरों और उद्यमियों को समान अवसर प्रदान किए हैं, जिससे मुरादाबाद का ब्रास, भदोही का कालीन और लखनऊ की चिकनकारी जैसे उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं, जिनमें सभी जातियों और समुदायों के लोग शामिल हैं। हमारी सरकार ने बिना भेदभाव के इन इकाइयों को पांच लाख रुपए का सुरक्षा कवच और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। यूपी देश में एमएसएमई में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है।

मुख्यमंत्री ने आठ वर्षों में यूपी की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2017 में प्रदेश का निर्यात मात्र 80 हजार करोड़ रुपए था, जो आज 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 46 हजार से बढ़कर 1 लाख 20 हजार रुपए और जीडीपी 12 लाख 75 हजार करोड़ से बढ़कर 31 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह प्रगति बेहतर कानून-व्यवस्था और सभी समुदायों को समान अवसर देने के कारण संभव हुई है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 55 हजार युवाओं को 5 लाख रुपए का ब्याज-मुक्त ऋण और 10 प्रतिशत सरकारी अनुदान प्रदान किया गया है। हमने इन युवाओं का चयन उनकी प्रतिभा के आधार पर किया, न कि उनकी जाति या क्षेत्र के आधार पर। इस योजना ने सभी समुदायों के युवाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 1 लाख से अधिक परंपरागत कारीगरों को टूलकिट और सस्ते ऋण प्रदान किए गए हैं। ये कारीगर विभिन्न जातियों और समुदायों से हैं, जिन्हें पहले उपेक्षित किया जाता था। हमने हर गांव और कस्बे के कारीगरों को सम्मान और अवसर दिया है, ताकि वे अपनी कला को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

टिकट चेकिंग अभियान के तहत 340 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए

लोक प्रेरणा

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है ह्न इसी क्रम में सुनियोजित कार्यक्रम के तहत धनबाद रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में धनबाद-चन्द्रपुरा रेलखंड में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया ह्न इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 340 यात्रियों को पकड़ा गया ह्न जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे ह्न

इस दौरान उनसे 2,46,235 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई ह्न टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की बहुत भीड़ देखी गयीं चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल, एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया ह्न धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा ह्न धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह दी ह्न साथ ही यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने की बात कही ह्न उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी

फोन कर घर से बाहर बुलाया, फिर सीने में घोंपा चाकू; दिल्ली के अमन विहार में छात्र की हत्या

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के अमन विहार थाना क्षेत्र में एक चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस हमले में कक्षा 10वीं के छात्र दीपांशु (15 वर्ष) की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, कुछ युवकों ने दीपांशु पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ये हमला पुरानी रंजिश या आपसी झगड़े का नतीजा हो सकता है, हालांकि पुलिस इस पहलू पर भी जांच कर रही है।

इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार ने गली के ही दो लड़कों पर आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन का कहना है कि उसके भाई को एक प्लानिंग के साथ मारा गया था। दो जगह चाकू से हमले किए गए। चाकू से एक बार हमला सीने पर हार्ट के पास किया गया था।

मृतक की मां ने कहा, "मेरे तीन बच्चे घर पर खाना खा रहे थे। किसी का फोन आया था और एक बेटे को उसने नीचे बुलाया था। उसी समय उसको मार दिया। सोनू और मोनू नाम के लड़कों ने मेरे बेटे को मारा है। ये दोनों अपनी मौसी के घर पर रहते थे। अंदर गली में बुलाकर मेरे बेटे को मारा।"दीपांशु के भाई ने कहा, "वो आईटीआई कॉलेज से पढ़कर लौटा था। शाम के करीब 6 बज रहे थे। उसके भाई ने इसी साल 10वीं के पेपर दिए थे। शाम को खाना खाते समय उसको दो बार कॉल आई थी। दूसरी कॉल के बाद वो नीचे गया था। उसके बाद जैसे ही वो घर से बाहर निकला, सोनू-मोनू नाम के दो भाइयों ने चाकू से उसको मारा। सीने पर चाकू से वार किया गया।" फिलहाल अमन विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

त्रिदिवसीय रथ यात्रा के पहले दिन हजारों धनबादवासी हुए शामिल

लोक प्रेरणा

धनबाद। इस्कॉन धनबाद जगजीवन नगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रथ यात्रा के पहले दिन में हजारों धनबादवासी शामिल हुए ह्न

सर्वप्रथम प्रातः काल 8:30 बजे, स्टीलगेट दुर्गा मंडप में आईएसएम तथा बीआईटी के सैकड़ों छात्रों द्वारा जगन्नाथ पुरी की 2000 वर्ष पुरातन पाहूंडी रीति के साथ श्री जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा की रथ पर सुंदर ढंग से स्थापना हुई। अनेकों भक्तों ने एक रंग, एक ढंग , एक वेश , मृदंग, करताल, कासोण लेकर गगनचुंबी छलागे मारते हुए जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा का रथ पर स्वागत किया। जगन्नाथ स्वामी नयन पथ गामी, के शोर से गूंजा पूरा स्टील गेट। भगवान के श्रीविग्रहों का आज विशेष ऐश्वर्यशील श्रृंगार किया गया था।

ज्ञात हो की जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा का यह रथ पिछले वर्ष की तरह इस बार भी आईआईटी, आई एस एम और बीआईटी के छात्रों द्वारा बनाए हुए ऑटोमेटिक हाइड्रोलिक सिस्टम युक्त था। यात्रा मार्ग में अलग-अलग ऊंचाइयों पर आने वाली बाधाओं के अनुसार रथ अपने आप अपने गुंबद तक की ऊंचाई 35 फीट से 15 फीट तक समायोजित करने की क्षमता रखता था। इसके अलावा इस बार जगन्नाथ पुरी के रथ की अनुकृति करते हुए आसनसोल से चार सुंदर घोड़े मंगवा कर रथ में मढवागए थे। इन चारों घोड़ों के नाम, शंख, श्वेत, बलहक, हरिदश्व हैं, जो कि इस नंदीघोष नामक जगन्नाथ के दिव्य रथ की शोभा बना । जगन्नाथ का यह रथ आईआईटी के भक्तों ने अपने हाथों से बहुत ही मनोरम और सुंदर रूप में सजाया था। इस विशाल रथ को खींचने के लिए 200ह्न भारी रस्सी मंगवाई गई थी।

पाहूंडी के उपरांत पूरे कार्यक्रम के परम मुख्य अतिथि श्रद्धेय श्री देवकीनंदन प्रभुजी का आगमन हुआ। श्री देवकीनंदन प्रभुजी ने अपने हाथों से इस्कॉन के संस्थापक आश्चर्य श्रील प्रभुपाद की गुरु पूजा की तथा इस्कॉन धनबाद अध्यक्ष,

श्री नाम प्रेम प्रभुजी ने गुरु आरती गाई। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथियों और गणमान्यों ने श्री जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा की आरती व पूजाअर्चना की। इस यात्रा में धनबाद के सांसद, ढुल्लू महतो एवं धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने बताया कि केवल पिछले 6 वर्षों पूर्व धनबाद में इस्कॉन ने विशाल स्तर पर रथ यात्रा का आयोजन करना प्रारंभ किया था और आज पूरा धनबाद प्रतिवर्ष इसकी आस बनाए प्रतिक्षा करता है। उन्होंने प्रार्थना की कि धनबाद पर जगन्नाथ की कृपा सदा बनी रहे। इस्कॉन धनबाद के अध्यक्ष, श्रीमान नाम प्रेम प्रभु जी ने यात्रा शुरू होने से पहले सारे भक्तों को यात्रा का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए सूचित किया की शास्त्रानुसार जो भी व्यक्ति जगन्नाथ के रथ को एक बार खींच लेता है अथवा जगन्नाथ रथ में दर्शन कर लेता है उसका इस भौतिक जगत में पुनर्जन्म नहीं होता। देवकीनंदन प्रभुजी ने बताया कि जगन्नाथ रथ यात्रा में भाग लेने का अवसर अद्वितीय है। हमने देखा है भगवान को अर्जुन का रथ हांकते हुए, किंतु यहां जगन्नाथ अपने रथ की डोरी अपने भक्तों को सौंप रहे है ह्न अतः यह भगवान की अपने भक्तों के साथ एक बहुत ही घनिष्ठ लीला है।

11 बजे दिन में देवकीनंदन प्रभुजी और नामप्रेम प्रभुजी के संबोधन के पश्चात ढुल्लू महतो ने स्वर्ण झाड़ू से रथ के पथ की सेवा की। यह भी पूरी की एक पौराणिक रीतियों में से एक है ह्नजहां रथ यात्रा से पूर्व प्रतिवर्ष पुरी के राजा पथ पर स्वर्ण झाड़ू लगाकर विनम्रता से जगन्नाथ का ऐश्वर्य दशार्ते हैं। तत्पश्चात रथ के समक्ष तीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई ह्न जिसमें पूरी की प्रथा अनुसार एक अद्भुत सुंदर ओडीसी नृत्य भी शामिल था। हजारों भक्तों ने स्टील गेट से रथ को खींचना प्रारंभ किया। दर्शनार्थियों के लिए अद्भुत प्रबंध और सेवाएं,

यह रथ स्टील गेट से होते हुए सरायढेला हीरापुर व रणधीर वर्मा चौक होते हुए संध्या 4 बजे तक गोल्फ ग्राउंड पहुंचा। जहां 25000 धनबाद वासियों कि इस ऐतिहासिक एकत्रीकरण को संभालने के लिए उपयुक्त व अनेक प्रबंध किए गए थे । यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए दो टैंकर शीतल जल, चार प्रकार के शरबत, ठंडाई आदि अनगिनत मात्रा में सारे समय उपलब्ध कराए गए थे। किसी भी अनहोनी से सतर्क रहते हुए रथ के आगे पीछे दो एंबुलेंस भी चल रही थी। इसके अलावें यात्री समूह के सुरक्षित मार्गदर्शन हेतु एक विशेष टीम और पुलिस कर्मचारी की चार प्रशासनिक गाड़ियां चल रही थी। रथ के पीछे एक वाहन केवल और केवल धनबाद वासियों द्वारा भक्ति पूर्वक जगन्नाथ के लिए बनाए गए भोग रखने हेतु लगाया गया था, जो कि मार्ग में 6 स्थानों पर खाली कर बार बार भरा गया। इस प्रसाद पर दर्शनार्थी अत्यंत प्रेम से लपक रहे थे।

इस बार आईआईटी के छात्रों ने जगन्नाथ पुरी के रथ यात्रा का चौकस अनुसरण करते हुए एक मधुर कीर्तन टोली बनाई थी ह्न जिसमें 10 भक्त मृदंग, 15 भक्त करताल, 8 भक्त झाझर और 10 भक्तों ने कसोण बजाते हुए धनबाद की धरती थरथराई। इसके अलावा धनबाद के आसपास के कई जनजातीय समुदाय भी भगवान का कीर्तन करने के लिए यात्रा में शामिल हुए । जगन्नाथ के रथ के आगे आगे इस्कॉन धनबाद की भक्तानियों द्वारा एक वेष में निरंतर सांस्कृतिक नृत्य किया गया।

जनजाती समुदायों का रथ यात्रा में भाग

धनबाद के आस पास के गांवों से 4 बस भर के भिन्न भिन्न जनजाति समुदाय से महिलाएं जगन्नाथ की रथ यात्रा में भाग लेने पहुंची। इस्कॉन ट्राइबल केयर के अंतर्गत हर उत्सव में धनबाद तथा झारखंड के जनजाति समाज उत्साह के साथ भाग लिया।

गोल्फ ग्राउंड में बनाया गया भव्य पंडाल,

पिछले वर्ष के दुगने से भी अधिक विशाल पंडाल, गोल्फ ग्राउंड में बनाया गया ह्न पंडाल को वेहतरीन ढंग से सजाया गया था ह्न

जगन्नाथ के दिव्य रथ की परिक्रमा हेतु रथ के लिए एक विशेष स्थान बनाया गयाह्न जिसके आसपास बिछाई 108 टाइल्स पर भगवान का नाम लेकर परिक्रमा कर रहे थे। गुंडीचा मंदिर, 40 फिट ऊंचा अत्यंत सुंदर गुलाबी रंग से गुंडीचा मंदिर का पंडाल सजाया गया था। जहां रथ यात्रा के समापन जगन्नाथ की स्थापना हुई, आरती हुई तथा श्रद्धालुओं ने दर्शन किया।

कथा, कार्यक्रम पंडाल, मंदिर के निकट मुख्य पंडाल को खूबसूरती से सजाया गया जहां श्रद्धेय देवकीनंदन प्रभुजी द्वारा कथा की गई। साथ ही भिन्न भिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके पर धनबाद के सांसद, ढुल्लू महतो, सह परिवार, धनबाद के विधायक राज सिन्हा तथा धनबाद के जाने माने व्यवसाई भी शामिल थे।

बटाला में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और एक युवक की हत्या

बटाला । पंजाब के बटाला में सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

यह घटना बटाला के कादिया रोड की है। बताया जा रहा है कि कार सवार लोगों पर कुछ बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग कर दी। कार में सवार एक महिला और एक अन्य युवक की मौत हो गई। पता चला है कि मृतक महिला गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां थी। मृतक की पहचान हरजीत कौर के रूप में की गई है।

वहीं, घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत बटाला से अमृतसर रेफर किया,

जहां गैंगस्टर जग्गू की मां का निधन हो गया, जबकि युवक ने फायरिंग के दौरान ही दम तोड़ दिया था।

बटाला के डीएसपी सिटी परमवीर सिंह ने बताया कि उन्हें फायरिंग की सूचना मिली थी। जब मौके पर पहुंचे तो पता चला कि करनवीर नाम के युवक की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल थी, जिसे अमृतसर रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीएसपी ने यह पुष्टि नहीं की है कि वह गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां थी।

डीएसपी के मुताबिक, मृतक युवक के पिता पुलिस में एएसआई हैं और मृतक हरजीत कौर उनकी रिश्तेदार हैं। मृतक युवक के पिता के बयान के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि एक युवक को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उसे गोलियां लगी थीं। इसके अलावा, एक महिला को भी अस्पताल लाया गया था, जिसे तुरंत ही अमृतसर रेफर किया गया।

718 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी, विकास कार्यों में 26 करोड़ की बचत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में लगभग 718 करोड़ रुपये से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट और विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है।

बैठक में कैबिनेट मंत्री महीपाल ढांडा, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा और श्रुति चौधरी उपस्थित रहे।

बैठक में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ट्रांसमिशन लाइन टावरों और सब-स्टेशन संरचनाओं के विनिर्माण एवं आपूर्ति, एचटी भूमिगत लाइनों इत्यादि के लिए भी लगभग 132 करोड़ रुपए के रेट कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई।

इसके अलावा, जिला अंबाला के तहत नारायणगढ़ डिवीजन में रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल लॉस (एटी एंड सी) को कम करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग 53.86 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

नया एआई टूल कैंसर के इलाज में लाएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल बनाया है, जो कैंसर के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह नई तकनीक कैंसर के इलाज में एक बड़ी समस्या को हल करती है, कई बार ट्यूमर में एक जैसी नहीं, बल्कि अलग-अलग तरह की कोशिकाएं होती हैं। इसे 'ट्यूमर हेटेरोजेनेटी' कहा जाता है। हर तरह की कोशिका इलाज पर अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया करती है।

कुछ कोशिकाएं इलाज से मर जाती हैं, लेकिन कुछ बच जाती हैं, जो आगे चलकर कैंसर की वापसी का कारण बनती हैं।

'एएनेट' नाम का एआई टूल ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च और अमेरिका की येल स्कूल ऑफ मेडिसिन ने मिलकर बनाया है। यह टूल कैंसर की हर एक कोशिका के अंदर होने वाली जीन की गतिविधि को गहराई से अध्ययन करेगा।

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च टीम ने बताया कि इस एआई टूल की मदद से ट्यूमर के अंदर 5 अलग-अलग तरह की कोशिकाएं पाई गईं। हर एक का अपना अलग व्यवहार और फैलने के अलग-अलग खतरे थे। पुराने तरीकों से डॉक्टर सभी कैंसर कोशिकाओं को एक जैसा मानकर इलाज करते थे, लेकिन अब इस नई तकनीक से बेहतर इलाज किया जा सकेगा।

गारवन इंस्टीट्यूट की एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस्टीन चैफर ने बताया, "ट्यूमर हेटेरोजेनेटी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि ट्यूमर का इलाज सभी कोशिकाओं को एक जैसी मानकर किया जाता है। इसके तहत, हम एक ऐसी थेरेपी देते हैं, जो ट्यूमर की ज्यादातर कोशिकाओं को एक खास तरीके से मारती है। लेकिन हर कोशिका उस इलाज से नहीं मरती, और वे बचकर कैंसर को दोबारा फैला सकती हैं। एएनेट एआई टूल हमें ट्यूमर के अंदर की विविधता को जैविक रूप से पहचानने में मदद करता है।"

येल यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर स्मिता कृष्णास्वामी इस एआई टूल की सह-निमार्ता हैं। उन्होंने बताया कि यह पहली ऐसी तकनीक है जो कोशिकाओं की जटिलता को आसानी से समझने वाले प्रकारों में बदल सकती है। इससे कैंसर के सटीक इलाज में बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है। यानी यह तकनीक प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी को पूरी तरह बदल सकती है।

यह तकनीक अब इलाज के लिए तैयार है। 'कैंसर डिस्कवरी' नामक जर्नल में छपे इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि यह तकनीक स्तन कैंसर में तो सफल साबित हुई ही है, साथ ही यह दूसरे तरह के कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, जो पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

तरनतारन के ढोटियां गांव में पंचायत के दौरान मध्यस्थ का मुंह काला, 5 लोगों पर केस दर्ज

तरनतारन के ढोटियां गांव में पंचायत के दौरान मध्यस्थ का मुंह काला, 5 लोगों पर केस दर्ज, विवाह विवाद में उठे मतभेद, डीएसपी पट्टी ने की कार्रवाई की पुष्टि

तरनतारन। जिले के ढोटियां गांव में एक विवाहिक विवाद के चलते शर्मनाक घटना सामने आई है। मतभेदों के कारण लड़की के परिवार ने पंचायत के दौरान मध्यस्थ का मुंह काला कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया।

डीएसपी पट्टी ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए बताया कि इस मामले में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कानून सम्मत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, हाल ही में गांव में एक लड़की की शादी हुई थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद दंपती के बीच मतभेद उत्पन्न हो गए। दोनों पक्षों के बीच सुलह के लिए पंचायत बुलाई गई थी, जिसमें एक बुजुर्ग मध्यस्थ को समझौते के लिए नियुक्त किया गया

था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि लड़की के परिजनों ने पंचायत में ही मध्यस्थ के साथ बदसलूकी करते हुए उसका मुंह काला कर दिया।

पीड़ित मध्यस्थ ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि उसने केवल दोनों परिवारों के बीच सुलह कराने की कोशिश की थी और उसके साथ हुई यह हरकत अपमानजनक है।घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखा है। डीएसपी ने लोगों से अपील की है कि कानून अपने हाथ में न लें, और किसी भी विवाद के समाधान के लिए संवैधानिक तरीकों का ही पालन करें। पुलिस ने आईपीसी की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

अगर आप सोचते हैं कि आप जवान हैं और आपकी हड्डी अभी कमजोर नहीं हो सकती, तो आप बिल्कुल गलत हैं। जाने-माने हड्डी के सर्जन का कहना है कि आज कल लोगों को कम उम्र में ही ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी विकार) होने का खतरा पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ गया है। अगर आप कैल्शियम युक्त भोजन नहीं लेते तो आपके घुटने कुछ ही दिनों में कमजोर हो जाएंगे। अगर घुटना किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त हो गया तो उसे ठीक करना बहुत मुश्किल है। अच्छा है कि आप अपने भोजन में कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें, जो आपके घुटनों के लिए अच्छे हों।

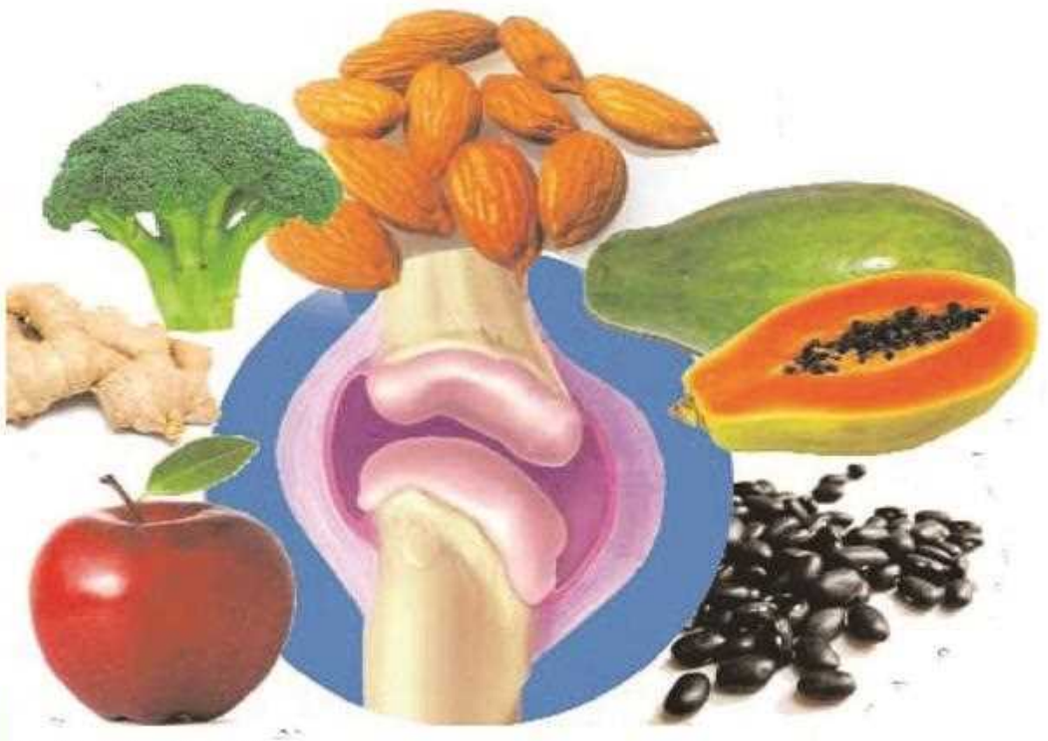

शरीर के जोड़ मजबूत रखने को खाएं...

बादाम, पपीता, सेब, ब्रोकली, बींस, अदरक और पिएं ग्रीन टी

- बादाम खाने से जोड़ों की आउटर मेंबरेन खराब होने से बची रहती है
- सेब खाने से आप जोड़ों के दर्द तथा जोड़ों के क्षतिग्रस्त होने से बच सकते हैं
- ब्रोकली शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालती है जिसकी वजह से जोड़ क्षतिग्रस्त नहीं होते
- ग्रीन टी जोड़ों के कार्टिलेज को क्षतिग्रस्त होने से रोकती है

आइए जानें उनके बारे में

1. बादाम : बादाम खाने से जोड़ों की आउटर मेंबरेन खराब होने से बची रहती है। इसमें विटामिन ''ई' और एंटीऑक्सीडेंट होता है जो सूजन और दर्द से बचाता है।

2. पपीता : पपीते में ढेर सारा विटामिन ''सी' होता है। रिसर्च में पाया गया है कि जिन लोगों के अंदर विटामिन ''सी' की कमी होती है उनमें जोड़ो का दर्द आम बात है।

3. सेब : सेब खाने से आप जोड़ों के दर्द तथा जोड़ों के क्षतिग्रस्त होने से बच सकते हैं। सेब जोड़ों में कोलाजन बनाने में मदद करता है जो कि घुटने को झटके लगने से बचाता है। जिससे घुटने खराब नहीं होते।

4. ब्रोकली : यह शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालती है जिसकी वजह से जोड़ क्षतिग्रस्त नहीं होते। इनमें काफी मात्रा में कैल्शियम होता है जिससे जोड़ों में मजबूती आती है।

5. काली बींस : यह मैग्नीज और अन्य तत्व से भरा हुआ होता है, जो जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसमें एंथोकायनिन्स होता है जो कि एक एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालता है और जोड़ों को खराब होने से रोकता है।

6. एक्सट्रा वर्जिन ऑइल : इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो कि जोड़ों के दर्द को दूर करता है। इसी की तरह से आप अखरोट का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।

7. अदरक : इसमें एक तत्व पाया जाता है जो तुरंत ही दर्द और सूजन को दूर करता है। आप चाहें तो इसकी चाय या फिर इसे भोजन में डाल कर पका सकते हैं।

8. ग्रीन टी : यह जोड़ों के कार्टलेजि को क्षतिग्रस्त होने से रोकती है। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जिससे फ्री रैडिकल्स हड्डियों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते। रोजाना एक कप ग्रीन टी आपको जोड़ों के दर्द से बचा सकती है।

कैंसर, एचआईवी का पता लगाने की 10,000 गुना प्रभावी तकनीक

लॉस एंजिल्स। एचआईवी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाने के लिए एक नई और बहुत संवेदनशील जांच तकनीक का विकास किया गया है जो मौजूदा नैदानिक उपकरणों की तुलना में 10,000 गुना अधिक प्रभावी तरीके से बीमारी का पता लगाने में सक्षम है। शरीर में जब कैंसर और एचआईवी जैसे रोगों का विकास होने लगता है तो प्रतिरक्षा पप्रणाली एंटीबॉडी पैदा करने लगती हैं। रक्त में इन एंटीबॉडी और बॉयोमार्कर की मौजूदगी के आधार पर वैज्ञानिक यह अनुमान लगाते हैं कि रोग है या नहीं।

नई तकनीक में एक अणु का विकास करके उसे बायोमार्कर से जोड़ा जाता है जिसमें एक चिह्न भी लगा दिया जाता है।विशेष रासायनिक प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला के जरिये अनुसंधानकर्ता उस चिह्न और उससे जुड़े बायोमार्कर को अलग कर सकेंगे। ऐसा रोग के परोक्ष मापन के लिए किया जा सकेगा। अमेरिका के स्टेनफोर्ड विविद्यालय में रसायन शास्त्र की प्रोफेसर कैरोलिन बतरेज्जी की प्रयोगशाला में इस नई तकनीक का विकास किया गया है। इस अध्ययन का प्रकाशन एसीएस सेंट्रल साइंस जर्नल में हुआ है।

मोटापा बच्चों की हड्डियों को कमजोर करता है

वॉशिंगटन। बच्चों में वसा वाली चीजों के प्रति काफी लगाव होता है जैसे चॉकलेट, केक, पीजा, बर्गर, पटेटो चीप्स आदि। इनमें वसा वाली और फैट करने वाली चीजें काफी मात्रा में पाई जाती हैं। इससे बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है। जबकि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है।अमेरिका की 'जार्जिया यूनिर्वसटि' के शोधार्थी और इस अध्ययन के मुख्य लेखक किंडलर बताते हैं, 'मोटे बच्चों में मांसपेशियों का विकास अधिक होता है इसलिए हमारी धारणा है कि इन बच्चों की हड्डियां लंबी, मजबूत और बड़ी होनी चाहिए।' शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान देखा कि मांसपेशी कैसे बच्चों की हड्डियों की ज्यामिति और ताकत की विभिन्न विशेषताओं को प्रभावित करती हैं। पहले हुए शोध अध्ययनों का आकलन करते हुए वैज्ञानिकों ने पाया कि बचपन से लेकर किशोरावस्था तक मांसपेशियों का हड्डियों के विकास में अहम योगदान होता है। हालांकि मोटापे से ग्रस्त बच्चों में यह संबंध अलग पाया गया है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा हुआ अतिरिक्त वसा मांसपेशियों में जमा हो जाती है और यही वसा बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे में इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए। (एजेंसी) दमोटापे से जुड़ी हुआ अतिरिक्त वसा मांसपेशियों में जमा हो जाती है और यही वसा बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार होती है

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

पहला दोस्त (दूसरे दोस्त से)- क्या तुम कोई ऐसा शब्द बता सकते हो, जिसमें 1000 से भी ज्यादा लेटर हो?

दूसरे दोस्त (पहले दोस्त से)- अरे इसका जवाब तो बिल्कुल आसान है 'पोस्ट ऑफिस'.

☺ ☺ ☺

दो पागल आपस में बात कर रहे थे. एक ने हवा में मुट्ठी लहराते हुए कहा- क्या तुम बता सकते हो कि इसमें क्या है?

पहले ने कहा- शायद ताजमहल.

दूसरे ने मुस्कराकर कहा- ओह! मुट्ठी बंद करने के बाद भी तुमने देख ही लिया.

☺ ☺ ☺

चिड़ियाघर में हाथी के बाड़े के बाहर दो पहरेदार जोर-जोर से रो रहे थे. एक व्यक्ति ने उनसे रोने का कारण पूछा तो एक ने कहा- हाथी मर गया है.

व्यक्ति - ओह, लगता है आप दोनों हाथी को बहुत चाहते थे.

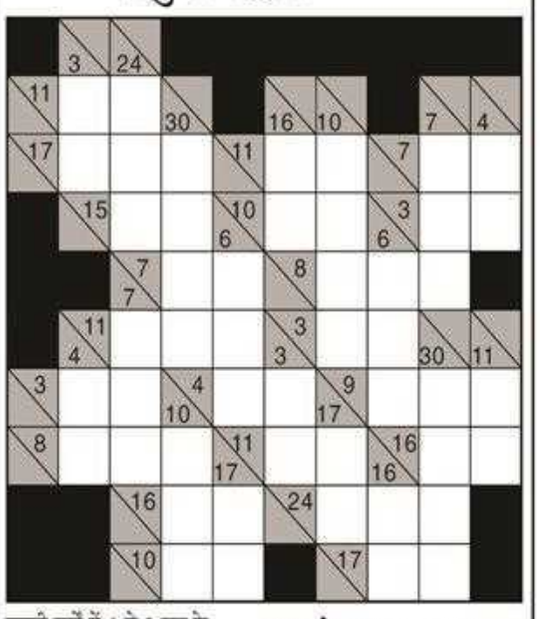

तभी दूसरे ने झट से कहा- ऐसी कोई बात नहीं है. हम तो इसलिए रो रहे हैं, क्योंकि हाथी की कब्र खोदने का काम हमें दिया गया है.

☺ ☺ ☺

दो दोस्तों में किसी बात पर तू-तू-मै-मै हो गई. पहला ने दूसरे से कहा-'मै बेइज्जती कराने यहां नहीं आया हूं.'

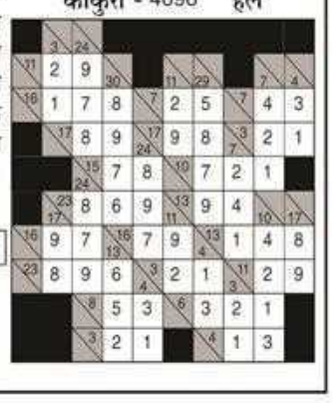

दूसरे ने कहा- 'तो आमतौर पर आप कहां जाते है?'

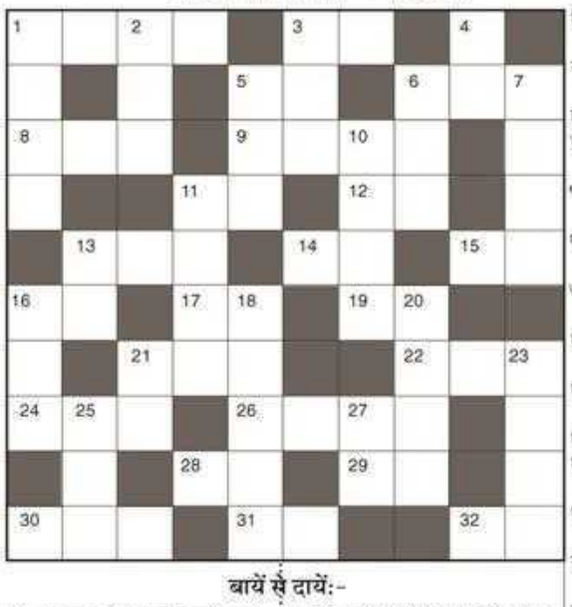

काकुरो पहेली - 4097

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 4096 हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4097

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती है नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरुद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4096

सूडोकु -4097

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -'4096 हल

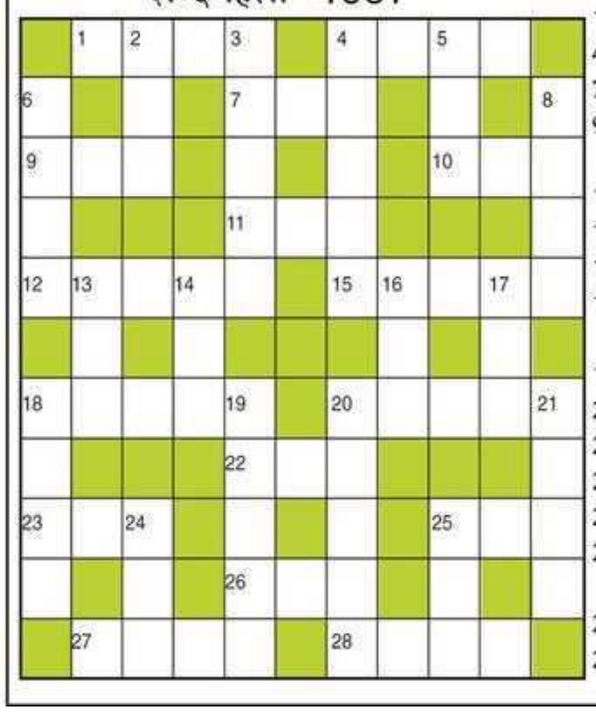

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 4097

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -4096 हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेलः lokparerna@gmail.com, फोनः 01252-259260, संपादकः श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।